



वर्ष - 10 अंक 27, 19 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 गोलू गुप्ता की वापसी : श्वेता त्रिपाठी ने शुरु की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग **8**

मोर्निंग
सिटी

MORNING
CITY

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

बांकेबिहारी मंदिर का खुला खजाना..चांदी का छत्र, गहनों के दो संदूक, ताशखाने से निकला सामान

मथुरा

वृंदावन के ठाकुर श्रीबाकेबिहारी जी महाराज के मंदिर में पिछले 54 वर्षों से बंद पड़े तोशखाने (खजाना) का रहस्य वर्षों से गहराया हुआ है। सेवकों और भक्तों की वर्तमान पीढ़ी के तमाम आग्रह एवं अदालत के प्रयासों के बावजूद खजाना नहीं खोला जा सका है, लेकिन अब हाई पावर्ड मंदिर प्रबंधन कमिटी के आदेश पर धनतेरस पर शनिवार को ये खजाना खोला गया।

वहीं, टीम का विरोध करते हुए गोस्वामियों ने हंगामा किया। गोस्वामी मांग कर रहे थे कि ताशखाने के अंदर जो भी प्रक्रिया को जा रही है, उसे मंदिर के बाहर



स्क्रीन लगाकर लाइव किया जाए। वृंदावन के बाकेबिहारी मंदिर का शनिवार को खजाना खुला। इसमें से अब तक एक लकड़ी का संदूक, टूटे कुंडे, तीन देग, तीन

नया रडार, एस्ट्रा मिसाइल...

सीना चौड़ा कर रहा घातक फाइटर जेट तेजस एमके 1 ए को उड़ाने वाले पायलट का तर्जुबा

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस सेक्टर में भारत ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। नासिक में स्वदेशी तेजस Mk 1A लड़ाकू विमान ने पहली टेस्ट फ्लाइट सफलतापूर्वक पूरी करके इतिहास रच दिया है। इस सफलता के लिए तेजस Mk 1A को वाटर केनन सैल्यूट से सम्मानित किया गया। एचएएल के मुख्य टेस्ट पायलट (फिक्स्ड विंग) ग्रुप कैप्टन केके वेणुगोपाल (रिटायर्ड) ने इस घातक फाइटर जेट से उड़ान भरी।

ग्रुप कैप्टन वेणुगोपाल ने NDTV को बताया कि तेजस एक खास विमान है। इसमें नई पीढ़ी की सभी आधुनिक तकनीकें हैं, जैसे नया रडार, बढ़िया एवियोनिक्स और एस्ट्रा मिसाइल को जोड़ने की क्षमता। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह विमान भारतीय वायु सेना के लिए बहुत फायदेमंद होगा। खासकर मिग-21 के रिटायर होने के बाद, IAF के पास करीब 220 तेजस होंगे और यह IAF का मुख्य आधार बन जाएगा।

'... हर साल 24 तेजस विमान बना सकेंगे'

HAL के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने इस मौके को HAL और देश के लिए गर्व का



पल बताया। उन्होंने कहा कि इससे कश्मि्रको नए विमानों की डिलीवरी तेजी से मिलेगी। वे तीन प्रोडक्शन लाइनों का इस्तेमाल करके हर साल 24 तेजस विमान बना सकेंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तेजस का सारा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर भारत में ही बनाया गया है। इसका मतलब है कि भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा और अपनी जरूरत के हिसाब से इसमें बदलाव कर सकेगा।

रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि को भारत की रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया।

चिराग पासवान की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द

मढ़ौरा विधानसभा में एलजेपी (आर) को झटका



छपरा

मढ़ौरा सीट से बड़ी खबर सामने आई है। यहां चार प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। इनमें एनडीए समर्थित लोजपा (रामविलास) की उम्मीदवार व फिल्मी कलाकार सीमा सिंह, बसपा के आदित्य कुमार, जदयू के बागी व पूर्व जिलाध्यक्ष अल्लाफ आलम राजू तथा निर्दलीय विशाल कुमार शामिल हैं। 177 मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र की निवाची पदाधिकारी सह एसडीओ निधि राज ने इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की। लोजपा (आर) उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन फॉर्म 3 बजे नामांकन दाखिल किया था। निर्वचन आयोग की ओर से उन्हें गड़बड़ी सुधार कर शाम तक पुनः जमा करने का मौका दिया गया था, लेकिन वे समय पर संशोधित फॉर्म जमा नहीं कर सकीं। इस कारण उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई। सीमा सिंह मूल रूप से बरबोघा की रहने वाली हैं। उन्हें लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था। इसी तरह बसपा प्रत्याशी आदित्य कुमार, जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष अल्लाफ आलम राजू जिन्होंने बागी होकर निर्दलीय नामांकन किया था और निर्दलीय विशाल कुमार का भी नामांकन जांच के दौरान खामियों के चलते रद्द कर दिया गया है।

रामकथा पार्क सजकर तैयार: अयोध्या में सीएम योगी करेंगे श्रीराम का राजतिलक

अयोध्या

रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरयू किनारे रामकथा पार्क में 19 अक्टूबर को श्रीराम का राजतिलक करेंगे। राज्याभिषेक समारोह के लिए रात दरबार की थीम पर रामकथा पार्क सजकर तैयार हो गया है। मंच पर राम दरबार सजेगा और नीचे साधु संतों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव भाई, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मॉनिमंडल के कई सदस्य मौजूद रहेंगे। इससे पहले पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से राम, लक्ष्मण,



सीता और हनुमान के स्वरूप रामकथा पार्क के हेलीपैड पर उतरेंगे। यहां मुख्यमंत्री भगवान के स्वरूपों की अगवानी

पाकिस्तान का हर इंच ब्रह्मोस की रेंज में...

ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर था: राजनाथ सिंह

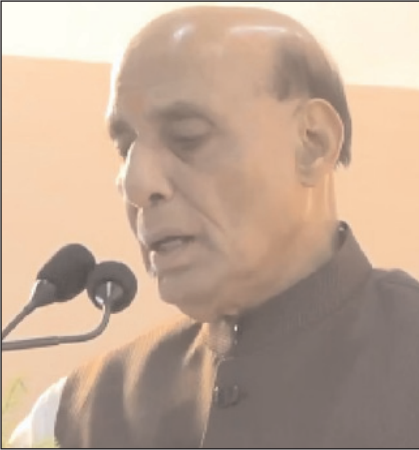
लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को शनिवार को हरी झंडी दिखाई। यह दिन न सिर्फ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा। बल्कि भारत के रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा भी देगा।

विश्व की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निमाता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल की पहली खेप तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक इकाई 11 मई को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी। वहीं, इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण दिन है। लखनऊ डिफेंस सेक्टर में अहम भूमिका निभा रहा है। मैंने पांच महीने पहले ब्रह्मोस यूनिट का उद्घाटन किया था। आज उसकी पहली खेप रवाना कर दी गई। यह आम बात नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारी आदत बन चुकी है।

करेंगे। इसके बाद उन्हें रथ पर सवार कर-के रामकथा पार्क में बने राज दरबार में लाया जाएगा। इससे पहले सुबह 10 बजे साकेत महाविद्यालय से झांकियों की शोभायात्रा निकलेगी। दोपहर 2:00 बजे मुख्यमंत्री रामकथा पार्क में ही इनका स्वागत करेंगे।

साकेत कॉलेज से निकलने वाली इन झांकियों की शोभायात्रा के दौरान पूरे रास्ते विभिन्न राज्यों के लोक कलाकारों की ओर से पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। पुष्प वर्षा कर झांकियों का स्वागत होगा। रामकथा पार्क में राज्याभिषेक समारोह में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री शाम 5:00



राजनाथ सिंह ने कहा, दुनिया ने भारत की

थकते। ये विश्वास ही हमारी ताकत है।

रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बृस्टर डॉकिंग प्रक्रिया देखी

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बृस्टर डॉकिंग प्रक्रिया देखी। इसी क्रम में ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रस्तुतीकरण भी होगा। इसके अलावा पौधरोपण कार्यक्रम पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान, महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर जोशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश में उच्च कोशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। लखनऊ ब्रह्मोस इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे का पहला ऐसा प्रतिष्ठान है, जहां मिसाइल प्रणाली के निर्माण से लेकर अंतिम परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया देश में ही की जाती है। यह परियोजना न सिर्फ रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रदेश में रोजगार, निवेश और तकनीकी नवाचार के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

बजे सरयू तट पर पहुंचेंगे। यहां पर वह 2100 अंचकों की ओर से की जाने वाली सरयू की महाआरती का हिस्सा बनेंगे। यहां से सीएम राम की पैड़ी पर बने मुख्य मंच पर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री और राज्यपाल

की मौजूदगी में राम की पैड़ी पर 26 लाख 11 हजार 101 दीप जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इसी मंच पर गिनीज बुक की टीम मुख्यमंत्री को विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र सौंपेगी।



ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्गो परिया में आग लग गई। अभी तक हादसे की वजह पता नहीं चल सकी है। आग इतनी तेज फैली कि एयरपोर्ट अथॉरिटी को सभी उड़ानें तुरंत रोकनी पड़ीं। दिल्ली से ढाका जा रही फ्लाइट का रूट चेंज कर कोलकाता भेज दिया गया।

फायर सर्विस ने बताया कि आग एयरपोर्ट के गेट नंबर 8 के पास कार्गो विलेज में दोपहर 2:30 बजे के आसपास शुरू हुई। अभी तक किसी की जान नहीं गई है, लेकिन माल ढुलाई का बड़ा नुकसान होने की आशंका है। काला धुआं इतना घना था कि आसपास के इलाकों में हवा खराब हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। ढाका एयरपोर्ट पर आगजनी की वजह से अब तक कुल 9 उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट्स पर भेजना पड़ा है। इनमें से 8 प्लेन चटगांव एयरपोर्ट पर डरनें, और एक सिलहल एयरपोर्ट पर उतारा गया।

छोटी खबरें

महागठबंधन से अलग हुई हेमंत सोरेन की झामुमो? छह सीटों पर लड़ने का किया एलान; उतारें प्रत्याशी

पटना/रांची

बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के छह प्रत्याशी उतरेगे। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के समापन पर बिहार आए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्षी गठबंधन को लेकर कई तरह की संभावनाएं जताई थी, लेकिन बिहार में महागठबंधन के अंदर सीटों के बंटवारे पर सार्थक बातचीत नहीं देख अब झारखंड मुक्ति मोर्चा में यह फैसला लिया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पांच प्रत्याशी उतारे थे। पांचों प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी। ऐसे में महागठबंधन को लेकर संभावनाएं तलाशी जा रही थी। झारखंड में राजद और कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ है, यह भी ऐसी तैयारी हो रही थी। जिन छह सीटों पर पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे हैं, उनमें वकाई, धमदाहा, कटिया, पिरपैती, मनीहारी और जमुई शामिल हैं। यह सभी छह सीटें बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की हैं। बता दें कि पहले जेएमएम बिहार विधानसभा चुनाव में 16 सीटों देने की मांग कर रहा था। बाद में वह 12 सीटों पर आ गया। इसे लेकर जेएमएम के कुछ नेता पटना भी गये थे। तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के कई बड़े नेताओं से बातचीत की, लेकिन बात नहीं बनी तो वापस लौट आये। शनिवार को पार्टी के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है।

सीएम सरमा का चौथा कैबिनेट विस्तार, बीटीसी चुनाव में भाजपा को हराने वाली पार्टी के नेता को बनाया मंत्री

गुवाहाटी

असम में शनिवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया, जिसमें बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायक चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मजबूत से दूसरी बार विधायक बने बोरो को शपथ दिलाई। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट अब तक भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का औपचारिक हिस्सा नहीं था। लेकिन विधानसभा में उसका समर्थन करता रहा है। हाल ही में हुए बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद चुनावों में बीपीएफ को बड़ी जीत मिली थी, जिसके बाद यह राजनीतिक कदम सामने आया। बीटीसी चुनाव के लिए मतदान 22 सितंबर को हुआ था। बीपीएफ ने 40 में से 28 सीटें जीतकर परिषद पर स्पष्ट बहुमत हासिल कियाथा। बीटीआर के पांच जिलों कोकराझार, चिरांग, उदालगुरी, बरसा और तामुलपुर में कुल 316 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। राजभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उनके कैबिनेट सहयोगी और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। चरण बोरो ने राज्य की कैबिनेट में आखिरी खाली पद को भर दिया है। अब असम कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत 15 भाजपा विधायक, असम गण परिषद (एजीपी) के दो, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के एक और बीपीएफ का एक मंत्री शामिल हो गया है। यह मुख्यमंत्री सरमा के नेतृत्व वाली सरकार में चौथा कैबिनेट विस्तार है।

'हवाईअड्डों पर अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के प्रति संवेदनशील बनाने की जरूरत' सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर काम करने वाली क्षेत्रीय एजेंसियों के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के बारे में पहले से ही संवेदनशील बनाएं, खासकर तब जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय यात्री को हिरासत में लेते या गिरफ्तार करने जैसा गंभीर कदम उठाते जा रहे हों। जस्टिस विक्म नाथ और तामुलपुर में कुल 316 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। राजभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उनके कैबिनेट सहयोगी और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। चरण बोरो ने राज्य की कैबिनेट में आखिरी खाली पद को भर दिया है। अब असम कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत 15 भाजपा विधायक, असम गण परिषद (एजीपी) के दो, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के एक और बीपीएफ का एक मंत्री शामिल हो गया है। यह मुख्यमंत्री सरमा के नेतृत्व वाली सरकार में चौथा कैबिनेट विस्तार है।

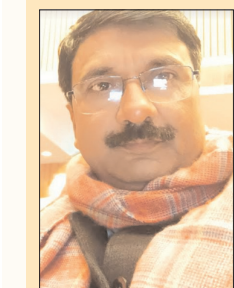


ने बैग से सींग बरामद होने के बाद उसके खिलाफ इस अधिनियम की धारा 39, 49 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी और उसे गिरफ्तार कर लिया था। अब्राहम करीब दो हफ्ते तक हिरासत में रहे। इसके बाद उन्हें कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिली, जिसमें भारत छोड़ने पर प्रतिबंध भी शामिल था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि डीएनए जांच के अनुसार जो वस्तु उसके पास मिली, वह वास्तव में रैंडियर (हिरण परिवार का सदस्य) की सींग थी, जो भारत के वन या वन्यजीव कानूनों का उल्लंघन नहीं करती। शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह कोर्ट महसूस करता है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से जुड़े मामलों को देखने वाली एजेंसियों को अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों की सही जानकारी देना जरूरी है, ताकि वे गिरफ्तारी जैसे सख्त कदम उठाने से पहले सोच-समझकर और कानूनी सलाह लेकर काम करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे गलत फैसलों से देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचता है और संबंधित अधिकारियों का व्यवहार मानवाधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में आ सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने अब्राहम की गिरफ्तारी, प्राथमिकी और उनके खिलाफ सभी कार्यवाहियों को पूरी तरह से अवैध करार देते हुए उन्हें रद्द कर दिया। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने अब्राहम की गिरफ्तारी, प्राथमिकी और उनके खिलाफ सभी कार्यवाहियों को पूरी तरह से अवैध करार देते हुए उन्हें रद्द कर दिया।



सम्पादकीय कटघरे में पुलिस व्यवस्था

हरियाणा पुलिस अधिकारी एडीजीपी वाई. पूरन कुमार द्वारा की आत्महत्या और उसके कुछ दिन बाद एएसआई सदीप लाठर द्वारा की आत्महत्या ने हरियाणा पुलिस को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। वाई. पूरन कुमार ने आत्महत्या से पहले अपने अंतिम नोट में हरियाणा के कई वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर जाति आधारित भेदभाव व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के आरोप लगाए थे। पूरन कुमार की पत्नी अमनीत आईएएस ने तत्कालीन डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेन्द्र बिजारिया विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की थी। हरियाणा सरकार द्वारा एसपी रोहतक को तबदील और डीजीपी को छुट्टी पर भेज देने के बाद ही पूरन कुमार का संस्कार हुआ। पूरन कुमार के संस्कार से पहले एएसआई सदीप लाठर ने आत्महत्या करने से पहले जो विडियो बनाई उसमें उसने पूरन कुमार पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया व उसे एक श्रष्ट अधिकारी बताया। सदीप लाठर के परिवार ने भी तभी दाह संस्कार किया जब पूरन कुमार की पत्नी अमनीत, उसके विधायक भाई के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकद्दमा दर्ज हो गया। हरियाणा पुलिस के दो अधिकारियों द्वारा की गई आत्महत्याओं के कारण जहां प्रदेश की राजनीति गर्मा गई है वहीं हरियाणा की अफसरशाली भी पड़ें के पीछे दो खेमों में विभाजित दिखाई दे रही है। एक-दूसरे के प्रति अविश्वास की भावना व्यवस्था को दृष्टि से आत्मघाती है। हरियाणा अपनी विकास की गति के लिए देश व दुनिया में चर्चा का विषय था, लेकिन दो आत्महत्याओं के कारण हरियाणा की व्यवस्था कटघरे में है और चर्चाओं का बाजार गर्म है। वाई. पूरन कुमार द्वारा की आत्महत्या को लेकर प्रदेश व देश में जाति आधारित राजनीति गर्मा गई थी वहीं एएसआई लाठर द्वारा की आत्महत्या ने सारे मामले की दिशा को ही



शुरीत कुमार सिंह ध्यान सांगदक

बदल कर रख दिया। कौन सच्चा व कौन झूठा है इसका पता तो जांच के बाद ही चलेगा। चंडीगढ़ पुलिस ने इस मामले को लेकर अपना विशेष जांच दल बनाया है, वहीं संत्रिप लाठर द्वारा लगाए आरोपों को लेकर हरियाणा सरकार ने मामले की जांच के अलाए अलग से दिए है। मुद्दा एक है लेकिन जांच दल दो बन गए हैं। जांच को लेकर टकराव व मतभेद हो सकता है, ऐसी स्थिति में सरकार क्या रूख अख्तियार करती है यह तो आने वाला समय ही बताएगा। वाई. पूरन कुमार की पत्नी ने न्यायपालिका पर भरोसा जताया है। हरियाणा पुलिस के नये प्रमुख ओपी सिंह ने जिस समय व परिस्थितियों में अपना पद संभाला है उसको समझ रखते हुए उन्होंने पुलिस बल को दिष्ट संदेश में स्पष्ट किया है कि हर निर्णय में जनता को सुरक्षा और गरिमा सर्वोपरि होगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि विभाग के काम में चुनौतियां भले ही बड़ी हों, लेकिन अगर हौसले चुनौतियों से बड़े रखे जाएं तो सफलता निश्चित है। डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि हरियाणा न केवल उनकी कर्मभूमि है बल्कि उनके बच्चों की जन्मभूमि भी है, इसलिए राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत रखना उनका व्यक्तिगत संकल्प है। उन्होंने कहा कि वंदी में बिताए दशकों ने मुझे सिखाया है कि जनविश्वास सुनने से बनता है, त्वरित कार्रवाई से बढ़ता है और निष्पक्ष न्याय से टिकाता है। यही कसौटी मैंं स्वयं पर और पूरे पुलिस बल पर लागू करूंगा। हरियाणा के नये पुलिस प्रमुख के समुख सबसे बड़ी चुनौती पुलिस की साख को बचाना और जनविश्वास को जीतना है। जब तक यह दो लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते तब तक पुलिस व्यवस्था कटघरे में ही खड़ी दिखाई देगी। न्यायपालिका अगर एक समय सीमा के बीच इस मामले पर अपना निर्णय देती है तो उसके बाद स्थिति काफी स्पष्ट हो जाएगी। लेकिन जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आता तब तक पुलिस व्यवस्था पर उंगली उठती रहेगी और जाति आधारित राजनीति भी गमाती रहेगी।

आखिर कौन बनेगा बिहार का अगला मुख्यमंत्री, गठबंधन सरस्पेंस बरकरार!

कमलेश पांडे

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए टिकट के बंटवारे के बाद भले ही चुनाव प्रचार अभियान शुरू हो गया है, लेकिन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), काग्रेस नीत इंडिया महागठबंधन और जनसुराज पार्टी ने अपने-अपने मुख्यमंत्री के नाम पर सरस्पेंस अभी तलक बरकरार रखा है। इससे मतदाताओं का संशय बढ़ता जा रहा है। इससे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को दिन में ही तारे नजर आ रहे हैं, क्योंकि गठबंधन सहयोगियों ने इनके पर कतर डाले हैं। यही वजह है कि एनडीए के पटक दल हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीवन राम मांझी ने कहा है कि मुख्यमंत्री का नाम अस्पष्ट कर दिया जाना चाहिए। जबकि भाजपा, काग्रेस और जनसुराज की सुविचारित रणनीति है कि मुख्यमंत्री के नाम का फैसला विधायक दल करेगा। सवाल है कि जीवन राम मांझी ने ऐसा क्यों कहा? क्या नीतीश कुमार के इशारे पर उन्होंने ऐसा कहा, या फिर कोई और बात है। बताया जाता है कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विगत दो दशकों से इस पद पर एन-केन-प्रकारेण काबिज हैं। बीच में उन्होंने कुछ समय के लिए दलित नेता जीवन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनवाया था, लेकिन उनके रंग बदलने के बाद फिर से कमान अपने हाथ में ले लिए। पछे 2020 के चुनाव में कम सीटें मिलने के बाद भी भाजपा नेताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाये रखा, जिससे उनके सियासी महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणच्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणच्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे। ऐसे में नीतीश कुमार और उनके समर्थकों की इच्छा है कि भावी मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार के नाम की घोषणा की जाए। जबकि भाजपा सिर्फ इतना कहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही राजग चुनाव लड़ रहा है। प्रसन्नता जा रहा है कि भाजपा, जदयू, लोजपा आर, हम और रालोमो के बीच टिकट

दिमाग की शांति के लिए

संतोष उत्सुक

अब यह, विदेशी छोड़ो और स्वदेशी जोड़ो के विशुद्ध नारे के कारण मानसिक शांति बर्बाद होने लगी है। व्यक्ति नाशता करने के बाद निश्चय करता है कि आज रात को खाना जल्दी खाएगा, थोड़ा टहलेगा, एक दो भजन सुनकर फोन बंद कर दूर रख देगा और सो जाएगा।

विदेशों में किए गए अध्ययन मुझे हमेशा आकर्षित, प्रभावित और द्रवित करते रहे हैं। वह बात दीगर है कि हमारे लोकप्रिय नेता कुछ अंतराल के बाद यह कहते

रहते हैं कि स्वदेशी अपनाओ और जीवन चलाओ लेकिन, होता कुछ ऐसा है कि विदेशी वस्तुओं, वाहन और वुमेन का आकर्षण बढ़ता ही जाता है। विदेशी तकनीक जिंजीगी में इतनी ज्यादा भीतर तक घुस आई है कि जितनी बार पृष्ठेये बता सकते हैं। वैसे तो इस तरह की तकनीक हमारे यहां सदियों पहले थी लेकिन यहां आए विदेशी शासकों ने उसे तहसनहस कर दिया था। हम खुद भी अपना काफी कुछ भूल गए थे। अब याद आता रहता है तो हमारे नेता याद दिलाते रहते हैं कि स्वदेशी

ललित गर्ग

दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने। यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।



बंटवारे को लेकर जो खौंचातानी चली, उससे एनडीए की प्रतिष्ठा और साख दोनों प्रभावित हुई है। इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह फूंक-फूंक कर कोई भी कदम उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि उपद्रराज नेता नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही युवा वर्ग एनडीए से छिटक सकता है। दूसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर हावी हो सकता है। तीसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के विरोधी भीतरघात कर सकते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार को एक मौका और दिे जाने की वकालत एनडीए में जारी है।

ठीक इसी प्रकार काग्रेस भी इंडिया महागठबंधन के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नाम का ऐलान करने से बचना चाहती है। क्योंकि उसे डर है कि ऐसा करते ही सर्वगं और दलित मतदाता काग्रेस से छिटक जाएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के पहले या बाद में इस वर्ग का रुझान काग्रेस की ओर बढ़ा है। वहीं, अल्पसंख्यकों ने भी क्षेत्रीय दलों का साथ छोड़कर काग्रेस को प्राथमिकता दी है। काग्रेस पार्टी का युव तौर पर यह भी मानना है कि राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जंगलराज (2000-2005) को बिहार के लोग नहीं भूले हैं। ये दोनों तेजस्वी यादव के माता-पिता हैं, जिनपर कई तरह के प्रश्नचार के मुकदमे चल रहे हैं। आईआरसीटीसी से जुड़े एक घोटाले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है। खुद तेजस्वी यादव पर भी उपमुख्यमंत्री पद के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। यही

वजह है कि राहुल गांधी उनके नाम के ऐलान से परहेज कर रहे हैं, क्योंकि काग्रेसी रणनीतिकारों ने भी उन्हें यही सुझाव दिया है। इसी के चलते सीट बंटवारे में भी तेजस्वी यादव, काग्रेस को उसका वाजिब हिस्सा नहीं दे रहे हैं। जब एक कमजोर काग्रेस 2020 में 70 सीटें पर चुनाव लड़ी थी तो 2024 के बाद मजबूत हुए काग्रेस को 100 सीटें नहीं देना गठबंधन न्याय नहीं कहा जा सकता है। रही बात चुनावी रणनीतिकार

रहे प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज की तो वह शुरू से ही बिना मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा किए ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं और एनडीए और इंडिया महागठबंधन को नाको चने चबाते पर मजबूर कर रहे हैं। कहीं उनके उम्मीदवार एनडीए की हार की वजह बनेंगे तो कहीं इंडिया गठबंधन की हार की वजह बनेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन की लड़ाई के बीच जनसुराज के उम्मीदवार बाजी भी मार सकते हैं। समझा जाता है कि बिहार के मतदाता टीम लालू प्रसाद और टीम नीतीश कुमार को पिछले 35 सालों से आजमा रहे हैं। इसलिए नए दमखम के साथ चुनाव मैदान में उठने प्रशांत किशोर के उम्मीदवारों को वह प्रेश भी दे सकते हैं, क्योंकि राजनीतिक सिरफुटौटवल के बिहारी मतदाता शुरू से विरोधी रहे हैं। काग्रेस, जनता पार्टी, जनता दल, भाजपा, राजद, जदयू, लोजपा को सियासी सबक देने का कारण एक यह भी माना जाता है। भाजपा-काग्रेस के राष्ट्रीय सूत्रों का कहना है कि चूँकि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव आपस में भी सांठगांठ करके सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इनकी रणनीति से सावधान रहने में ही राष्ट्रीय दलों की भलाई है। बिहार में क्षेत्रीय दलों की मंशा रहती है कि राष्ट्रीय दल महज उसके पिछलग्गू बने रहें। लेकिन इस बार स्थिति अलग है। राष्ट्रीय दलों के चक्रब्यूह में दोनों नेता बुरी तरह से फिर गए हैं और बार बार पुराने सन्बन्धों की दुहाई देकर अस्तित्व रक्षा की कवायद करते रहे हैं, जो काफी मुश्किल बात है।

में डालें बाकी को भूल जाएं, इससे चिंता स्थगित हो जाएगी। कोई किताब पढ़ें या खेल खेलें इससे दिमाग चिंता से बाहर निकलेगा। पास रखे पत्थर, लकड़ी या कपड़े के टुकड़े को हूँटें, धीरे धीरे पानी पिंपें, हल्का संगीत सुनें, यह बेचैनी कम करेगा। कर्वटें न बदलें, उठकर मंद रोशनी में कुछ करें, जैसे कपड़े तह करना या झाड़ आ का सामान ठीक करना, इससे दिमाग बिस्तर को नींद से जोड़ेगा। दिन की मामूली बात रात को बड़ी लगती है, खुद से कहें सुबह देखें। खुद से कहते रहें, सब ठीक हो जाएगा, सब ठीक रहेगा, सबसे पहले आराम जरूरी है, इससे मन स्थिर होगा। आखिरी सलाह है यदि कभी कभी नींद उचाट हो तो कोई बात नहीं। नींद टूटना सामान्य बात है, कोशिश करें आ जाएगी।

उनकी सारी बातें ठीक है लेकिन, इस मामले में हमें महा स्वदेशी फामूलां ही ज्यादा सफलता दिलाएंग। हमारे अस्त व्यस्त और मस्त जीवन में सबसे सफल फामूलां है, देर रात तक डाटा का मनचाहा प्रयोग जिससे सबसे ज्यादा शांति मिलती है। दूसरा उपाय है, मनचाहे पेय का डेली डोज, जिसमें दूध भी शामिल है। एक बार इनकी आवात पेट जाओ तो मन खुद ही शांति ग्रहण कर लेता है। इस मामले में ज्यादा परेशान होकर, विदेशी उपाय करने की जरूरत नहीं, पता नहीं, उनकी सलाह कारगर भी है या नहीं।

विचार

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व



हिस्सा बनता जा रहा है। दीपावली का एक और महत्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है।

दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने। यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान पर्व प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था- बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जलर रही जोता। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए

लोक कथा

दरख़्त रानी(भाग-1)

पुराने जमाने में किसी गाँव में एक बूढ़ा आदमी रहता था। उसकी शादी को 20 साल हो गए थे पर वह आलदा की दौलत से महरूम था। भगवान की कृपा से बूढ़े की औरत का पौव भारी था। नई-नई चीज़ें खाने को उसका जी चाहता था। बूढ़ा भी अपनी बिसात के मुलाबिक उसे खाने की चीज़ें ला कर देता था। एक रोज बूढ़े की बीवी को खड़े-मीठे बेर खाने की बहुत खाहिश हुई। गर्मी के मौसम में बेर कहीं मिलते हैं। फिर भी बूढ़ा बेरों की तलाश में जंगलों में भटकता रहा। एक दिन जंगलों में इस्पर-उस्पर बेर तलाश करते हुए वह एक तालाब के किनारे पहुँचा जो एक बेर की झाड़ी नजर आइ। बूढ़े को बहुत खुशी हुई। वह अपने दोनों हाथों से बेर इकट्ठे करने लगा। अभी झा़ली भर बेर ही तोड़े थे कि एक आदतख़ोर मगरमच्छ ने अपना बड़ा सा मुँह पानी से ऊपर निकाला और जोर से साँस खींची। उसके साँस लेने से एक जोरदार आँवी चली और बूढ़ा कमजोरी की वजह से अपने को न संभाल पाया और तालाब में आ गिरा। बूढ़ा अपने को संभालते हुए किनारे तक पहुँचना ही चाहता था कि मगरमच्छ ने इसके पोंव ही पकड़ लिया। बूढ़ा उससे कहने लगा, भाई खट्टे-मीठे बेरों की तलाश में मेरे पोंव घिस गए और फिर जब बेर मिले तो मेरे रास्ते में तू रोका बनता है। तेरी यह मक्कारी मुझपर कोई असर नहीं करेगी। बहुत दिनों से इसान का गोपत खाने को नहीं मिला। तेरी करारी हड्डियों को चबाने में मुझे बहुत मजा आएगा। आज मैं तुझे खाऊँगा। मगरमच्छ ने लार टपकाते हुए कहा। क्यों। मुझे तू क्यों खाएगा इसलिए क्योंकि तूने मुझसे बेगैर जंगलत लिए मेरे बेर लिए हैं। भाई मैं यह बेर बहुत मजदूरी में ले रही हूँ। मेरी बीवी की हालत कुछ ऐसी है। मैं और मेरी बीवी अब और ज्यादा इतजार नहीं कर सकते। बूढ़े की बात सुनकर मगरमच्छ समझ गया। ओह अगर यह बात है तो मैं तुझे नहीं खाऊँगा। तू अपनी राह ले लेकिन मेरी एक शर्त है। क्या शर्त है। बूढ़े ने पूछा। अगर लड़का होगा तो तेरा और लड़की हुई तो मेरी। मंजूर कहकर वह बेरों की झा़ली संभालते हुए चल दिया। वह अपने दिल में सोचने लगा कि मगरमच्छ उसे फिर कहीं मिलेगा और अगर उसके यहाँ लड़का पैदा हुआ तो फिर तो परेशानी की कोई बात ही नहीं। बूढ़ा अपनी बीवी की बात भगाने में कोई कमी नहीं करता था। दिन पर लगा कर उड़ते रहे और एक दिन बूढ़े के घर एक खूबसूरत और बहुत तंदरुस्त लड़की पैदा हुई। बच्ची को देखकर उसे मगरमच्छ की बात याद आई तो वह कोप उठा। लड़की का रंग गुलाब के फूल की तरह था। उसकी आँखें हीरों की तरह चमकदार थीं। वह परियों की तरह हसीन और मासूम थी। ऐसी मननों और मुरादों की लड़की मगरमच्छ के पेट में जाए यह सोचकर बूढ़ा दुःख से कोपने लगा। उसने सोचा कि अब वह अपनी तालाब के किनारे नहीं जाएगा। बारिश का मौसम आया और नदी में बाढ़ आ गई। मगरमच्छ पानी में बह कर तालाब से निकल कर खेत में आ गया। अब उसे आसानी से शिकार मिलने लगा। एक दिन बूढ़ा खेत से सब्जी तोड़कर ला रहा था तो रास्ते में मगरमच्छ ने उसे रोककर सवाल किया। क्यों बे बूढ़े! मुझसे छुपता क्यों है ? तू मुझसे छुप कर कहीं भागेगा। सीधी तरह बता तेरे यहाँ लड़की हुई या लड़का। लड़की हुई है। बूढ़े ने सहमी हुई आवाज में कहा। तो फिर वह मेरी है। मेरी अमानत को अब तूने अपने पास क्यों रखा है। क्या तू अमानत में ख्यात करना चाहता है। इतनी छोटी बच्ची को तुझे कैसा है दूँ? बूढ़े ने कहा। चौद साल पहले तूने मुझसे वाद किया था। क्या वह अब भी बच्ची है। तू बाप की नजर से देखता है वह अगर बूढ़ी भी हो जाएगी तब भी वह बच्ची ही रहेगी। तू मुझे और और बेवकूफ नहीं बना सकता। मैं तुझे येन से रहने नहीं दूँगा। देख। अगर तूने लड़की को कल ही लाकर मुझे नहीं दिया तो मैं तुम तीनों को घर एक एक कर ख़म कर दूँगा। मगरमच्छ ने कहा।

19 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2025 02

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व



आलोकमय बन गए। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान पर्व प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जलर रही जोता। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है, यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अंधकार न हो। जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जलने उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी सलामत न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजुर्गिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

बाल कहानी

टिटिहरी का जोड़ा और समुद्र का अभिमान

समुद्रतट के एक भाग में एक टिटिहरी का जोड़ा रहता था । अंडे देने से पहले टिटिहरी ने अपने पति को किसी सुरक्षित प्रदेश की खोज करने के लिये कहा । टिटिहरे ने कहा - "यहां सभी स्थान पर्याप्त सुरक्षित हैं, तू चिन्ता न कर ।" टिटिहरी - "समुद्र में जब ज्वार आता है तो उसकी धारें सतवाले हाथों को भी खींच कर ले जाती हैं, इसलिए हमें इन लहरों से दूर कोई स्थान देख रखना चाहिये ।" टिटिहरा - "समुद्र इतना दुःसाहसी नहीं है कि वह मेरी सन्तान को हानि पहुँचाये । वह मुझ से डरता है । इसलिए तू निःशक होकर यहीं तट पर अंडे दे दे ।" समुद्र ने टिटिहरे की ये बातें सुनली । उसने सोचा - "यह टिटिहरा बहुत अभिमानी है । आकाश की ओर टांगें करके भी वह इसीलिये सोचती है कि इन टांगों पर सिरां हुए आकाश को थाम लेगा । इसके अभिमान का भाग होना चाहिये ।" यह सोचकर उसने ज्वार आने पर टिटिहरी के अंडों को लहरों में बहा दिया । टिटिहरी जब दूसरे दिन आई तो अंडों को बहता देखकर रोती-बिलखती टिटिहरे से बोली - "मुझ् ! मैंने पहिले ही कहा था कि समुद्र की लहरें इन्हें बहा ले जायंगी । किन्तु तूने अभिमानवश मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया । अपने प्रियजनों के कथन पर भी जो कान नहीं देता उसकी दुर्गति होती ही है । इसके अतिरिक्त बुद्धिमानों में भी वही बुद्धिमान सफल होते हैं जो बिना आई विपति का पहले से ही उपाय सोचते हैं, और जिनकी बुद्धि तत्काल अपनी रक्षा को उपाय सोच लेती है । जो होगा, देखा जायगा" कहने वाले शोध भी नष्ट हो जाते हैं ।" यह बात सुनकर टिटिहरे ने टिटिहरी से कहा - " मैं 'यद्विधियै' नैसा मूर्ख और निष्कर्म नहीं हूँ । मेरी बुद्धि का चमकार देखती जा, मैं अभी अपनी चींसे से पानी बाहिर निकाल कर समुद्र को सुखा देता हूँ ।" टिटिहरी - "समुद्र के साथ तेरा वैर तुझे शोभा नहीं देता । इस पर क्रोध करने से क्या लाभ ? अपनी शक्ति देखकर हमे किसी से बँर करना चाहिये । नहीं तो आगे में जलने वाले पत्ते जैसी गति होगी ।" टिटिहरा फिर भी अपनी चींसे को समुद्र को सुखा डालने की ही मींग मारता रहा । तब, टिटिहरी ने कहा - "यदि तूने समुद्र को सुखाने का हट ही कर लिया है तो अन्य पक्षियों की भी सलाह लेकर काम कर । कई बार छेउ २ प्राणी मिलकर अपने से बहुत बड़े जीव को भी हरा देते हैं ; जैसे बिड़िया, कटफोड़े और मेंढक ने म्लिकर हाथी को मार दिया था । टिटिहरा - "अच्छी बात है । मैं भी दूसरे पक्षियों की सहायता से समुद्र को सुखाने का यत्न करूँगा ।" यह कहकर उसने बगुले, सारस, मोर आदि अनेक पक्षियों को बुलाकर अपनी दुःख-कथा सुनाई । उन्होंने कहा - "हम तो अशक्त हैं, किन्तु हमारा मित्र गरुड अवश्य इस सबमें हमें हमारी सहायता कर सकता है ।" तब सब पक्षी मिलकर गरुड के पस जाकर रोने और चिल्लाने लगे - "गरुड महाराज ! आप के रहते हमारे पक्षिकुल पर समुद्र ने यह अत्याचार कर दिया । हम इसका बदला चाहते हैं । आज उसने टिटिहरी के अंडे नष्ट किये हैं, कल वह दूसरे पक्षियों के अंडों को बहा ले जायेगा । इस अत्याचार की रोक-थाम होनी चाहिये । अन्यथा सर्पणां पक्षिकुल नष्ट हो जायेगा ।"गरुड ने पक्षियों का रोना सुनकर उनकी सहायता करने का निश्चय किया । उसी समय उसके पास भगवान विष्णु का दूत आया । उस दूत द्वारा भगवान विष्णु ने उसे सवारी के लिये बुलाया था । गरुड ने दूत से क्रोधापूर्वक कहा कि वह विष्णु भगवान को कह दे कि वह दूसरी सवारी का प्रबन्ध कर ले । दूत ने गरुड के क्रोध का कारण पूछा तो गरुड ने समुद्र के अत्याचार की कथा सुनाई । दूत के मुख से गरुड के क्रोध की कहानी सुनकर भगवान विष्णु स्वयं गरुड के घर गये । वहाँ पहुँचने पर गरुड ने प्रणामपूर्वक विनम्र शब्दों में कहा - "भगवान ! आप के आश्रम का अभिमान करके समुद्र ने मेरे साथी पक्षियों के अंडों का अहणकर कर लिया । इस तरह मुझे भी अपमानित किया है । मैं समुद्र से इस अपमान का बदला लेना चाहता हूँ ।" भगवान विष्णु बोले - "गरुड ! तुम्हारा क्रोध प्रतिक्रियुक्त है । समुद्र को ऐसा काम नहीं करना चाहिये था । वलो, मैं अभी समुद्र से उन अंडों को वापिस लेकर टिटिहरी को दिलाव देता हूँ ।" उसके बाद हमें अप्रमत्तवी जाना है ।" तब भगवान ने अपने कनुर पर 'आनंये' बाण को चढ़ाकर समुद्र से कहा - "दुष्ट ! अभी उन सब अंडों को वापिस देदे, नहीं तो तुझे क्षण भर में सुखा दूँगा ।" भगवान विष्णु के भय से समुद्र ने उसी क्षण अंडे वापिस दे दिये । सीख : अभिमान का सिर नौवा ।



मैनपुरी में प्रसूता ने ई-रिक्शा में दिया शिशु को जन्म

मैनपुरी पुलिस का सराहनीय काम, हर कोई कर रहा पुलिस को सलाम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। प्रसव पीड़ा होने पर ईरिक्शा से प्रसूता को शहर के महिला अस्पताल सी शैया ले जा परिजन के उस समय हाथ पैर फूल गए, जब ईरिक्शा में सवार प्रसूता को तेज असहनीय प्रसव पीड़ा होने लगी, प्रसूता ने ईरिक्शा में ही शिशु को जन्म दिया। प्रसव के बाद से ही जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। जननी सुरक्षा योजनाओं और एंबुलेंस सेवाओं के तमाम दावों के बीच एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही उजागर हुई है।

शहर के मोहल्ला पुरोहिताना निवासी गुलशन की 35 वर्षीय पत्नी प्रिया गोस्वामी उर्फ हरियाणा को शनिवार दोपहर प्रसव पीड़ा हुई। परिजन की लापरवाही और अव्यवस्था के कारण उसे समय से अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। सरकारी एंबुलेंस सेवा का लाभ न उठाकर परिजन प्रिया को ई-रिक्शा से सी शैया अस्पताल ले जा रहे थे। दोपहर करीब 12.30 बजे कचहरी रोड पर अचानक महिला को प्रसव शुरू हो गया। चलती ई-रिक्शा में स्थिति बिगड़ती देख चालक ने गाड़ी रोक दी। महिला के



साथ मौजूद पति और सास चबरा गए।

महिला पुलिस बनी प्रसूता के लिए फरिश्ता- इसी बीच संयोग से महिला थाना प्रभारी हेमलता सिंह वहां से गुजर रही थीं। स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई और महिला कास्टेबलों के साथ ई-रिक्शा को सुरक्षा घेरे में ले लिया। कुछ ही देर

में कोतवाल फतेहबहादुर भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने सड़क पर यातायात रुकवाया।

नहीं पहुंची एंबुलेंस, टालमटोल करते रहे सीएमएस- कोतवाल फतेहबहादुर ने मौके से करीब तीन बार 108 सेवा को कॉल किया लेकिन फोन नहीं लगा। इस बीच उन्होंने सीएमएस जिला अस्पताल से भी फोन पर

बात की और एंबुलेंस भेजने के लिए कहा लेकिन सीएमएस बार-बार यही करते रहे कि 108 या 102 पर कॉल करो।

तब कोतवाली ने अपनी गाड़ी भेजकर जिला अस्पताल के सामने से एक निजी एंबुलेंस बुलाई। लेकिन प्रसव होने के कारण महिला को ई-रिक्शा से ही 400 मीटर दूर सी शैया अस्पताल पहुंचाया गया।

लोगों ने की पुलिस की सराहना

कचहरी रोड पर महिला थाना प्रभारी और पुलिस टीम की सजगता और मानवता की हर कोई प्रशंसा कर रहा था। महिला की लाज बचाने के लिए महिला पुलिसकर्मियों ने साड़ी से पर्दा कर सुरक्षा घेरे में प्रसव कराया। कोतवाल और महिला थानाध्यक्ष तब तक मौके पर डटे रहे जब तक महिला को सुरक्षित अस्पताल नहीं पहुंचा दिया गया।

क्या बोले सीएमओ मैनपुरी

सीएमओ डॉ. आरसी गुप्ता ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही सी शैया अस्पताल के सीएमएस से बात की। जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। परिजन ने एंबुलेंस सेवा की कॉल किया था कि नहीं इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

यहां डॉक्टरों की देखरेख में नवजात का नाल काटा गया और मां-बच्चे दोनों को भर्ती किया गया। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं।

रिद्धिमा के छात्र/छात्राओं ने विद्यालय के कॉरीडोर में उकेरी अपनी प्रतिभा

दीपोत्सव से पूर्व रंगोली बनाकर दिया जीवन में प्रकाश व उल्लास का संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। दीपावली की पूर्व संध्या पर शहर देवी बाईपास रोड स्थित रिद्धिमा वर्ल्ड स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे रंगों से सजा नजर आया। विद्यालय के विभिन्न सदनों (हिमालय, कंचनजंघा, अरावली एवं नीलगिरी) के छात्र/छात्राओं द्वारा सैकितिक रूप से मानव श्रंखला का दीपक बनाकर सभी के जीवन में प्रकाश और उल्लास रहे का संदेश दिया।

इससे पूर्व विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ0 रूचि चौहान ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष माल्यार्पण व दीपोज्ज्वलन के उपरांत बच्चों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का पर्व केवल प्रकाश का नहीं, बल्कि एकता, सद्भाव और स्वच्छता का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों से सौहार्दपूर्ण ढंग से दीपावली मनाने, पर्यावरण की सुरक्षा और आसपास सफाई बनाए रखने की नसीहत दी। जबकि



प्रबंध निदेश निदेशक संजय चौहान ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि रंगोली बनाने का पहला बड़ा फायदा तो यह है कि आप इसे बनाते समय बेहद सकारात्मक महसूस करते हैं। यह प्रक्रिया आपके तनाव को दूर कर देती है।

रंगोली बनाने समय अंगुली और अंगुठा मिलकर ज्ञानमुद्रा बनाते हैं, जो मस्तिष्क को ऊर्जावान और सक्रिय बनाने के

साथ-साथ बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ चौहान ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका गीता मोहन, कोऑर्डिनेटर विवेक यादव, शशांक बंसल, ऋषिकान्त यादव, धर्मेन्द्र सिंह, आर्य प्रताप सिंह चौहान सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं ने छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छोटी खबरें

खेत की मुड़ी उखाड़ने पर की मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। खेत की मुड़ी उखाड़ने से मना करने पर आरोपियों ने एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने घायल का चिकित्सीय परीक्षण कराकर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम अमर सराय निवासी रामवीर पुत्र दीवारीलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा कि है बीते मंगलवार को उसने अपने खेत गाटा संख्या 943 की पैमाईश कराकर मुड़ी गढ़वा दी थी। शाम 6 बजे राज बहादुर फौजी, नेकसेलाल, लोकेश व कन्हैया निवासी ग्राम बनकिया थाना बेवर ने मुड़ी को उखाड़ कर फेंक दिया। जब उसने मुड़ी उखाड़ने का विरोध किया तो सभी ने एक राय होकर गाली गलौज करते हुए उसे मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकद्दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मैनपुरी के व्यक्ति की यज्ञस्थान हदसे में मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। एक स्थानीय युवक की राजस्थान के झुझुनूं में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उसके को गांव लाया गया। यहां स्वजन ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना एलाऊ क्षेत्र के गांव गुजरपुर नगरिया निवासी 45 वर्षीय रामनरेश पुत्र दयाराम बीते कई वर्षों से राजस्थान के झुझुनूं में ईंट-भट्टे पर मजदूरी का कार्य करते थे। शुक्रवार देर रात उनकी संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। इस पर भट्टे के ठेकेदार और मृतक के पुत्र द्वारा शव को गांव स्थित घर लाया गया। शनिवार को मृतक के पुत्र मोहित ने थाना एलाऊ पुलिस को शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए लिखित सूचना दी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष एलाऊ अवनीश त्यागी ने बताया कि मृतक के पुत्र की सूचना पर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो सकेगा।

यमलीला में हुआ रावण- अंगद के संवाद का मंचन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

बिछवां/मैनपुरी। सुल्तानगंज रामलीला एवं मेलो कमेटी के तत्वावधान में हो रही प्राचीन रामलीला में शनिवार को कलाकारों द्वारा रावण अंगद के संवाद की लीला का मंचन किया गया। जब लंका में अंगद राम के दूत बनकर रावण से सीता को वापस करने और रावण द्वारा किए गए पापों का प्रसिद्ध करने के लिए समझते हैं तो रावण बहुत क्रोधित होता है। और वह अपने घमंड में आकर राम का अपमान करने लगता है। अंगद को राम का अपमान सहन नहीं हो सका जिस पर अंगद ने रावण को चुनौती दी की जो भी इस सभा में मेरे पर को जमीन से हिला पंगा तो मैं उनके सेवक बन जाऊंगा। अंगद सभा में अपना पैर जमा कर खड़े हो जाते हैं। रावण की सेवा में एकत्रित कई सैनिक और रावण के कई पुत्रों ने अंगद के पर को हटाने का प्रयास किया लेकिन कोई पर हटाने में सफल नहीं हो सके इसके बाद स्वयं रावण अंगद के पर को हटाने के लिए अंगद के पास आता है जैसे ही वह अंगद के पर को पकड़ता है वेसे ही अंगद अपना पर स्वयं हटा लेते हैं और कहते हैं। हे मुखं रावण तू मेरे पैरों में क्यों झुक रहा है तू प्रभु श्री राम के चरणों में क्षमा याचना कर वह मयार्दा पुरुषोत्तम की राम है वह तेरे द्वारा किए गए पापों को क्षमा कर देगा। तभी अंगद रावण के मुकूट को प्रभु श्री राम के चरणों में फेंक देते हैं। कार्यक्रम में एडवोकेट अमित दुबे डॉक्टर जितेंद्र यादव शिशुपाल डीलर अनिल गुप्ता सुदर्शन दुबे अनिल दुबे गोलू गुप्ता हरवीर यादव राम प्रकाश राठौर पप्पू शंखवार अनूप आदि क्षेत्रीय भक्तगढ़ मौजूद रहे।

अयोध्या में दीपोत्सव: एक साथ जलेंगे 29 लाख दीये

अयोध्या

नौवें दीपोत्सव पर 26 लाख 11 हजार 101 दीये जला कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए राम की पंडी तैयार है। यहां 56 घंटों पर 30 हजार स्वयंसेवकों ने 29 लाख दीये बिछा दिए हैं। इसके बाद मिनीज बुक की टीम ने झोन की मदद से बिछाए गए दीयों की काउंटिंग की। रविवार सुबह से इन दीयों में तेल और बाती डालने की प्रक्रिया शुरू होगी।

शनिवार को लगातार तीसरे दिन सुबह से ही अवध विश्वविद्यालय के घाट संयोजकों और प्रभारियों की निगरानी में आवासीय परिसर, संबद्ध कॉलेजों, इंटर कॉलेजों और प्रभावी संस्थाओं के स्वयंसेवकों ने दीये बिछाने का काम जारी रखा। दोपहर में तेज धूप के बावजूद छात्र-छात्राएं पूरे मनोयोग से इस काम में जुटे रहे। कई घंटों पर दीयों से रामायण कालीन प्रसंग, बड़े दीये की आकृति और रंगोली दीप उकेरे गए हैं। घाट नंबर 10 पर 80 हजार दीये से स्वास्तिक सजाई गई है। इससे पूरी दुनिया में शुभता का संदेश जाएगा। इनकी शोभा देखते ही बन रही है। काशी संस्था में श्रद्धालु और पर्यटक भी दीये बिछाने की प्रक्रिया को देखने पहुंचे और इसमें मददगार भी बने।

टीएलएम से बच्चों को गणित विषय पढ़ाने में आसानी होगी

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मे दो दिवसीय मेला शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार से दो दिवसीय नवाचार गणित मेला शुरू हुआ। इसमें जिले के 90 से अधिक शिक्षकों ने बच्चों को पढ़ाने के रुचिपूर्ण तरीकों का ब्लू प्रिंट पेश किया। शिक्षकों ने गणित के फॉर्मूले के आसान तरीके प्रस्तुत किए।

डायट में गणित मेला का शुभारंभ प्राचार्य मनमोहन शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि अध्यापकों द्वारा बनाए गए टीएलएम से बच्चों को गणित जैसे विषय को पढ़ाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि मेले में प्रत्येक ब्लॉक

के जूनियर,कंपोजिट व माध्यमिक के पांच पांच शिक्षकों ने प्रतिभाग किया है। शिक्षकों में आकर्षक टी एल एम तथा चार्टों का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि नवाचार शिक्षण कौशल में बेहद अहम है।

नई शिक्षा नीति भी नवाचार को आगे बढ़ा रही है। शिक्षा में नए विचारों और कौशल की असीम संभावनाएं होती हैं। इसका परिणाम जल्द ही घोषित किया जाएगा। मेले में नोडल प्रवक्ता अभय कुमार ने निर्णयक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रवक्ता अभय गोस्वामी, आनरेड सिंह चौहान, विमलराज यादव, श्वेतांक, वीरेंद्र कुमार, सुधाकरन आदि लोग मौजूद रहे।

ऋण वितरण में एचडीएफसी, आईसीआईसीआई आदि बैंक की प्रगति निराशाजनक

जिला उद्योग, व्यापार बंधु की मासिक समीक्षा के दौरान बैंकर्स को डीएम ने दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। सरकारी महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली लाभार्थीपरक योजनाओं में बैंकर्स सर्वोच्च प्राथमिकता पर प्रेषित पत्रावलियों को स्वीकृत कर ऋण वितरण करना सुनिश्चित करें ताकि शिक्षित बेरोजगार अपना स्वतः रोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बन सकें, कुछ बैंकर्स द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में प्रेषित पत्रावलियों पर ऋण वितरण में रुचि नहीं ली जा रही है, कई शाखाओं में बड़ी संख्या में पत्रावलियां स्वीकृत हेतु लंबित है, एच.डी.एफ.सी., एक्सिस, इंडियन बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक की प्रगति बेहद निराशाजनक है।,

उक्त निर्देश जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने जिला उद्योग, व्यापार बंधु की मासिक समीक्षा के दौरान



दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की बैंक शाखावार समीक्षा के दौरान नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि 1700 वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 3139 पत्रावलियां विभिन्न बैंकों को प्रेषित की गईं, जिसमें से बैंकर्स द्वारा 900 पत्रावलियों को स्वीकृत कर 752 पर ही ऋण वितरण किया गया है, एच.डी.एफ.सी. बैंक द्वारा प्रेषित 125 पत्रावलियों में मात्र 14,

आई.डी.बी.आई. बैंक द्वारा 27 के सापेक्ष मात्र 04, एक्सिस बैंक द्वारा 61 के सापेक्ष मात्र 03, इंडियन बैंक द्वारा 39 के सापेक्ष मात्र 06, इंडियन बैंक के सापेक्ष 02 पत्रावलियों पर ऋण वितरण किया गया है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में सबसे बेहतरनीय कार्य भारतीय स्टेट बैंक द्वारा किया गया, एस.बी.आई. द्वारा

219 के सापेक्ष 137 पत्रावलियों पर ऋण-वितरण किया जा चुका है।

श्री सिंह ने समीक्षा के दौरान पाया कि मुख्यमंत्री युवा स्वःरोजगार योजना में वार्षिक लक्ष्य 135 के सापेक्ष विभिन्न बैंकों में 228 पत्रावलियां प्रेषित की गईं, जिसमें से मात्र 92 पत्रावलियां बैंकर्स द्वारा स्वीकृत की गई है और 71 पर ऋण-वितरण किया जा चुका है, यूनियन बैंक द्वारा 16 के सापेक्ष मात्र 04, बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 69 के सापेक्ष 21, आर्यावर्त ग्रामीण बैंक द्वारा 62 के सापेक्ष 25 पत्रावलियों पर ऋण वितरण किया गया है।

बैठक में क्षेत्राधिकारी नगर संतोष कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक राम चन्द्र साहा, उद्यमी उद्यमी घनश्याम दास गुप्ता, धीरू राठौर, संतोष भारद्वाज, धीरज जैन, अनूप तिवारी, राघव तापड़िया आदि उपस्थित रहे, बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग उत्कर्ष चंद्र ने किया।

नवनीत फिर बने बीईओ किशनी, अधीनस्थों को निर्देश



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। ब्लाक धिरोर से स्थानांतरित होकर आए बीईओ नवनीत कुमार गौतम ने शनिवार को ब्लाक किशनी पहुंचकर अपना चार्ज लिया,उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्य कराना उनकी प्रथमिकता रहेगी,ब्लाक पर आने वाले हर फरियादी की शिकायत का समय रहते निस्तारण करना सभी को अपनी आदत डालनी होगी, सभी

ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायतों में बैठकर लोगों की समस्या का निस्तारण करें,

बीडीओ का स्टायप माला पहनाकर स्वागत किया गया, इस मौके पर एडीओ पंचायत मनोज प्रभाकर, एडीओ अंजनी कुमार, अनुज मिश्रा, सत्यम सिंह, सचिव रविनेश यादव, पंकज यादव, बृजेन्द्र यादव, अरविंद कुमार, बृजेन्द्र कुमार, अनुज कुमार, अजय पांडेय, ओमवीर, सनी कुमार आदि मौजूद थे।

दीपावली भारतीय उपमहाद्वीप में मनाया जाने वाला धार्मिक, पारम्परिक त्योहार

सनातन अकादमी विद्यालय में मनाया गया दीपोत्सव, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शनिवार को शहर के बिली रोड स्थित सनातन अकादमी विद्यालय में दीपावली के अवसर पर दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में पूरे हर्षोल्लास के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का विधिवत प्रारम्भ सरस्वती वन्दना के साथ हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में छात्र आराध्या कश्यप, आयशा यादव, सचिव यादव, अंश सहाय, अभिनव यादव, प्रज्ञा कुमारी, अग्रिमा यादव, दिव्यांशी कुमारी, रितिक यादव व रामू यादव ने अपने संदेश व कविताओं के माध्यम से दीपावली मनाने के कारणों, विधियों तथा महत्व पर प्रकाश डाला उनके अनुसार दीपावली भारतीय उपमहाद्वीप में मनाया जाने वाला



धार्मिक तथा पारम्परिक त्योहार है। इस दिन मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम अपने भाई लक्ष्मण तथा पत्नी सीता सहित 14 वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या वापस लौटे थे

तब अयोध्या वासियों ने घी के दीप जलाकर उनका स्वागत किया था उसी परम्परा को निभाते हुए आज भी दीपावली की रात्रि में दीये जलाकर घरों को सजाया जाता है।

दूसरे चरण में सजावट आदि गतिविधियों का आयोजन

कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्र-छात्राओं के बीच डोर हैंगिंग, दीपक कलरिंग, कार्ड मेकिंग तथा दीपक सजावट आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने पूरे हर्षोल्लास के साथ प्रतिभाग किया। जिसमें अनिकेत यादव, तनु सिंह, देवर्षि शाव्य, अप्रिंत यादव, राधिका राजपुत, आराध्या कश्यप, अलीशा नाज, मुस्कान यादव, रश्मि सिंह, देवांश, अग्रिमा यादव, श्रुति सिंह, श्रुति राजपुत, शीतल पाल, सत्यपाल यादव, तेष्मवी सहाय, तनिक, इशिता यादव तथा प्रतीक यादव का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।

प्रबंधक ने की बच्चों की प्रशंसा

कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालय के प्रबन्धक श्री दीपक जी० दास० ने सभी प्रतिभागी बच्चों की विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों से इस प्रकार की गतिविधियों में संलग्न रहकर शिक्षा के सही मायनों को समझने व अपनाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी बच्चों व शिक्षकों सहित समस्त स्टाफ को आगामी पर्व दीपावली व भाई दीज की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

अंत में सभी छात्र-छात्राओं व समस्त स्टाफ को खील बतासे वितरित किये गये। कार्यक्रम को विधिवत ढंग से पूर्ण कराने में विद्यालय की शिक्षिका रुपांशी राज, चन्द्रप्रभा, अनीशा यादव, अनुष्का चौहान, निधि वर्मा, रागिनी पाल, नमता गोस्वामी, इकरा हासमी, माधुरी मिश्रा, शालिनी चौहान, शिक्षक गोपाल कृष्ण, लक्ष्मीनारायण व विपिन तिवारी सहित समस्त स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

सिटी स्टेशन से भूसे की टाल तक सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण



नगर विकास को समर्पित नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने दोहराई प्रतिबद्धता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 29 सिटी स्टेशन के सामने से भूसे की टाल तक सीसी इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का लोकार्पण

नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने उपस्थित नगरवासियों से संवाद करते हुए नगर के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी तथा भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आत्मीय स्वागत और सम्मान के लिए क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद राजेश दिवाकर की उपस्थिति रही। इस

अवसर पर प्रमुख रूप से क्षेत्रीय सभासद रामजी लाल वर्मा, अशोक गोला, सुंदरम शर्मा, दिनेश सिंह नन्हे, राघवेंद्र सिंह, क्षमा शर्मा, पंजाबी लाल दिवाकर, ज्वाला प्रसाद, राम खिलाड़ी, राधेश्याम, चंदन कुमार, श्याम प्रधान, मिलन अग्निहोत्री, वीरेंद्र सिंह कप्तान, चंद्रकांत जैन, नगर पालिका परिषद के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

विद्या मंदिर में दीपोत्सव पर रंगोली और दीप सजाओ प्रतियोगिता



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली चौराहा स्थित सासनी-विजयगढ़ रोड पर राधेश्याम स्वर्णकार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दीपोत्सव के अवसर पर रंगोली, थाली सजाओ और दीपक सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक सुरेश चंद्र वर्मा, विनोद कुमार वर्मा और रमा वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। रंगोली प्रतियोगिता में सावित्री टोली की वैष्णवी, आयुषी, ईशु और सोनाक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लक्ष्मीबाई टोली की वैष्णवी, वर्षा, मिथी द्वितीय तथा श्रीकृष्ण टोली के जयप्रकाश, ललित, साक्षी तृतीय स्थान पर रहे। दीपक सजाओ प्रतियोगिता में अश्वनी प्रथम, कुशमा द्वितीय, महक तृतीय रही। थाली सजाओ में दुष्यंत प्रथम और प्रखर श्रीती द्वितीय स्थान पर रहे। शिशु वर्ग में गौरी, रिया, शिवानी चकोर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विनोद कुमार वर्मा ने आचार्य, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को दीपावली के उपलक्ष्य में उपहार और मिष्ठान वितरित किए।

शिशु शिक्षा मंदिर पेड़ वाले स्कूल में दीपोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मोहल्ला ब्राह्मणपुरी पुरानी तहसील रोड सिकंदराराऊ स्थित शिशु शिक्षा मंदिर पेड़ वाले स्कूल में दीपोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक मुनेश चतुर्वेदी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। छात्र-छात्राओं ने दीपों, फूलों और रंगोली से विद्यालय को आकर्षक रूप से सजाया। दीप कब्जा प्रतियोगिता में बच्चों ने मनमोहक ढंग से सजे दीप प्रस्तुत किए, जिनकी सभी ने सराहना की। प्रबंधक मुनेश चतुर्वेदी ने बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नरेश चतुर्वेदी, श्रीकृष्ण दीक्षित फौजी, शरद शर्मा, अनिल उपाध्याय, विक्रम बघेल, प्रमोद बघेल, अनुपम तोमर, मनीष शर्मा, पूजा दीक्षित, नवीन दीक्षित, निशाजाज, सोनिया यादव, सोनी, योग्यता सैनी, रजनी व सोनी यादव सहित विद्यालय परिवार मौजूद रहा।



देवस्थान के रास्ते से अवैध कब्जा हटवाएं जाने की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। मुख्यमंत्री के जनता दरबार में ग्राम नगला लऊ मौजा अहिरवा के देव स्थान जाने वाले रास्ते से अवैध कब्जों को हटाए जाने और व देव स्थान के रास्ते पर डामरीकरण करण कराए जाने के निदेशों के पालन करने की मांग एक श्रद्धालु ने जिलाधिकारी से की है। जिलाधिकारी ने एसडीएम को मामले में कारवाही करने को कहा है।

ग्राम अहिरवा के नगला लऊ के रहने वाले चंद्रपाल सिंह ने जिलाधिकारी को दी गई जानकारी में बताया है कि संजोव गांव के सैकड़ों साल पुराने सिद्ध देव स्थान को जाने वाले मार्ग पर एवं सरकारी भूमि पर कब्जा जमाए बैठे राजीव कुमार, संजोव कुमार, बंटी सिंह, टेक सिंह, सतीश चंद्र, दशरथ, विजय पाल सिंह, प्रदीप कुमार के अवैध कब्जों को हटाए जाने और देव स्थान तक सड़क का

मुख्यमंत्री से शिकायत, सीडीओ और पीडब्ल्यूडी अधिकारी कर रहे जांच

निर्माण कराकर डामरीकरण की गुहार मुख्यमंत्री को जनता दर्शन में दी थी।

सड़क के डामरीकरण में रुचि नहीं ले रहे पीडब्ल्यूडी अफसर- उसकी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने मुख्य विकास अधिकारी और पीडब्ल्यूडी मैनपुरी को तत्काल कार्रवाई कराए जाने के निदेश दिए गये थे। मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद अब तक अवैध कब्जा जमाए बैठे दबंग रस्खदारों के तहसीलदार ने न तो पैमाईश करवाकर देव स्थान के रास्ते को चिह्नित कराया है और न अब तक अवैध कब्जों को हटवाया गया है। मुख्यमंत्री ने आदेश के बावजूद पी डब्ल्यू डी अभिमान ने सड़क निर्माण और डामरीकरण संबंधी कार्य में रुचि ली है।

सरस्वती विद्या मंदिर में दीपावली कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सरस्वती विद्या मंदिर में वंदना सत्र के दौरान दीपावली का कार्यक्रम हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य लोकेन्द्र नाथ शर्मा ने मां सरस्वती और भगवान राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद स्टाफ ने भगवान गणेश और लक्ष्मी के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य लोकेन्द्र नाथ

शर्मा ने की और मुख्य वक्ता डॉ. रोहिताश पाराशर रहे। आचार्य राजेश शर्मा ने कंजुस दंपति एवं शादी विषय पर हास्य कविता सुनाकर सभी को आनंदित किया। डॉ. रीना अग्निहोत्री ने दीपावली पर स्वच्छता और कर्म की शुद्धता पर प्रेरक संदेश देते हुए मेरी ममता की खान मेरी मैया भजन प्रस्तुत किया। आचार्य दीपक शर्मा ने भगवान राम के वनवास काल से जुड़ा भावनात्मक प्रसंग कविता के रूप में सुनाया, जबकि मनोज पांडेय ने भगवान राम से संबंधित

प्रेरक प्रसंग साझा किया। आचार्य गुंजन ने दुनिया चले न राम के बिना, राम चले न हनुमान के बिना भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शिशु मंदिर की छात्राओं कुसुम, नव्या पुंडीर और सुष्टि ने भी कविता एवं भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश मिश्रा ने किया। अंत में सभी शिक्षकों को प्रसाद और उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनता इंटर कॉलेज के बच्चों ने निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

फतेहाबाद। शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई जनता इंटर कॉलेज फतेहाबाद के स्वयंसेवकों द्वारा कस्बा फतेहाबाद में नशा मुक्ति अभियान 3.0 के अंतर्गत एक नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉक्टर श्री शिव कुमार सिंह जी हरी झंडी दिखाकर विद्यालय परिसर के मुख्य द्वार से किया। साथ ही स्वयंसेवकों से बात करते हुये तम्बाकू, बीड़ी, शराब, ड्रग्स आदि के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुये इन व्यसनो दूर रहने के लिए सचेत किया। रैली विद्यालय परिसर से आरम्भ होकर अंबेडकर चौक, बस स्टैंड, ब्लॉक, बाग कालोनी होते हुये वापस कॉलेज परिसर में समाप्त हुई। रैली में स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न नारों जैसे "हम सब का बस ये ही कहना, नशा मुक्त हो देश अपना" "नशे को जो अपनाएगा निश्चित ही जान गंवैया" आदि तथा हस्तलिखित तख्तियों और चार्ट के माध्यम से आमजनमानस को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया।

केडीपी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने दीप सजाकर मनाया दीपोत्सव



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव रूदायन स्थित केडीपी पब्लिक स्कूल में धनतेरस के अवसर पर बच्चों ने अपने हाथों से दीप बनाकर दीपोत्सव मनाया। पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत गुरु धनवंतरि के जन्मोत्सव धनतेरस से होती है, जो खुशियां और प्रकाश का संदेश देता है। विद्यालय प्रबंधक प्रशांत पाठक ने बताया कि दीपोत्सव का पर्व आनंद और

उल्लास का प्रतीक है। भगवान राम के लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर दीप जलाकर स्वागत किया गया था, तब से यह परंपरा चली आ रही है। दीपावली पर माता लक्ष्मी और गणेश की आराधना कर समृद्धि की कामना की जाती है। कार्यक्रम में बच्चों ने दीप सजाकर परिसर को दीपमय बना दिया। इस अवसर पर महक पाठक, दीक्षा माहेश्वरी, उमा भारती, पूजा, अवधेश पाठक सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दीपावली के दिन आगरा मेट्रो की सेवाओं में बदलाव, शाम सात बजे तक रहेंगी ट्रेनें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। दीपावली पर्व के अवसर पर 20 अक्टूबर 2025 को आगरा मेट्रो ट्रेन सेवाओं में विशेष बदलाव किया गया है। इस दिन मेट्रो ट्रेनें सुबह 06:00 बजे से लेकर शाम 07:00 बजे तक ही चलेंगी। मेट्रो सेवाएं दोनों टर्मिनल स्टेशनों से संचालित होंगी। ताज ईस्ट गेट और मनकाेश्वर मेट्रो स्टेशन से सुबह 06:00 बजे ट्रेनें शुरू होंगी और आखिरी ट्रेन शाम 07:00 बजे रवाना होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह बदलाव केवल दीपावली के दिन लागू रहेगा और अगले दिन से मेट्रो सेवाएं सामान्य समय यानी सुबह 06:00 बजे से रात 10:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड की ओर से सभी यात्रियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई हैं और यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे दीपावली के दिन समय का ध्यान रखते हुए अपनी



यात्रा की योजना बनाएं। इस कदम से यह सुनिश्चित किया गया है कि त्योहार के दौरान

यात्रियों की सुविधा बनी रहे और सेवा संचालन सुचारू ढंग से हो।

फतेहाबाद में एडीजे कोर्ट निर्माण का रास्ता साफ, बादशाही बाग में ही बनेगी नई कोर्ट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। लंबे इंतजार के बाद फतेहाबाद को अपनी एडीजे कोर्ट के निर्माण का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। शनिवार जज संजय कुमार मलिक और एडीजे नीरज बक्स ने फतेहाबाद पहुंचकर कोर्ट निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया। दरअसल, पहले बादशाही बाग में एडीजे कोर्ट का निर्माण कार्य शुरू हो गया था, लेकिन एएसआई (पुरातत्व विभाग) की आपत्तियों के चलते कार्य बीच में ही रोक दिया गया था। इसके बाद राजस्व विभाग द्वारा न्यायालय के लिए गिदरोन में नई जमीन चयनित की गई थी। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार बबलेश कुमार ने जिला जज को बताया कि चयनित जमीन पुरातत्व विभाग की नहीं बल्कि पर्यटन विभाग की है। इस पर जिला जज ने स्पष्ट किया कि एडीजे कोर्ट का निर्माण अब बादशाही बाग परिसर में ही किया जाएगा, जिससे वकीलों और न्यायिक कार्यों में सुविधा बनी रहेगी।

पूर्व चेयरमैन आशादेवी चक बनी खटीक महासभा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। फतेहाबाद में चेरमैन के आवास पर समाज की बैठक रखी गयी समाज की सर्वसहमति से आशादेवी चक को प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया जिसमें खटीक महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय धर्मेन्द्र खटीक जी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश खटीक जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदरणीय अशोक चक जी, प्रदेश महासमिति भाई सौरभ सिंह चक जी युवा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी सिंह बघेला जी मनीष चक, राजकुमार चक, राजू वर्मा, अजीत राजपूत, नीतेश शास्त्री रामकिशन वर्मा, ब्रजभान चक सियाराम चक, जगदीश राजोरिया बलेश चक, खमान सिंह, ओमबाबू चक, प्रदीप चक, प्रियंशु चक, आयुस चक मोनू चक खटीक महासभा के



फरखाबाद जिले के जिला अध्यक्ष नीरज चक जी व आदरणीय चरण सिंह जी पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी भरथना मनीष चक तमाम खटीक महासभा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ स्वजातीय बंधुओं के सामने आदरणीय पूर्व अध्यक्ष आशा देवी चक जी को खटीक महासभा के

महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया इस दायित्व को प्राप्त करके बाद आदरणीय चेयरमैन जी ने खटीक महासभा व समाज को धन्यवाद किया व खटीक महासभा के साथ समाज के लिए आगे बढ़-चढ़कर सहयोग करने के लिए समाज के बीच अपनी बात रखी।

वेस्ट गेट पर छात्रों का प्रदर्शन, पुलिस बैरिकेड तोड़ने पर 28 छात्र हिरासत में

नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में शनिवार शाम करीब 70 से 80 छात्र, जिनमें महिला छात्राएं भी शामिल थीं, वेस्ट गेट पर एकत्र हुए और पुलिस बैरिकेड्स तोड़कर नेल्सन मंडेला मार्ग पर आ गए। पुलिस ने बताया कि इस दौरान छात्रों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की, अभद्र भाषा का प्रयोग किया और सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ।

पुलिस के अनुसार, छात्रों को कई बार समझाने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने जबर्न बैरिकेड्स हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने 28 छात्रों- 19 पुरुष और नौ महिला को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए छात्रों में छात्रसंघ अध्यक्ष नितेश कुमार, उपाध्यक्ष मनीषा और महासचिव मुन्तिया फातिमा शामिल हैं। इस दौरान हुई झड़प में छह पुलिसकर्मी



(चार पुरुष और दो महिला) घायल हुए हैं, जिन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन ने प्रदर्शन करने संबंधी मामले में नियमों की अवहेलना करने पर छात्र संघ अध्यक्ष नीतीश कुमार पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इस संबंध में जेएनयू के चीफ प्रॉक्टर कार्यालय ने आदेश जारी किया है। आदेश के

अनुसार छात्र संघ अध्यक्ष को डीन ऑफ स्टूडेंट कार्यालय के 100 मीटर के दायरे में प्रदर्शन करने का दोषी पाया गया है।

साथ ही एडमिन ब्लॉक में जबरन घुसने, दरवाजे को तोड़ने और विश्वविद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। यह प्रदर्शन कुछ महीने पहले छात्रों को हॉस्टल खाली करने के नोटिस मिलने के संबंध में छात्र संघ ने किया था। इस आदेश में कहा गया है कि उनके द्वारा किया

कृत्य गंभीर है उस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होती है। लेकिन छात्र के करियर को ध्यान में रखते हुए 10 हजार रुपये का जुमाना लगाया है। आदेश जारी होने के दस दिन के अंदर जुमाना राशि जमा करानी होगी।

साथ ही इस आदेश के खिलाफ 20 दिन के अंदर अपील कर सकते। वहीं जुमाने का आदेश दूसरे छात्रों को भी जारी हुआ जो प्रदर्शन में शामिल थे।

पुलिस पर सवाल, दरोगा ने युवक को मारा थपपड़, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मलपुरा थाना क्षेत्र में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की छवि को गंभीर झटका लगा है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि थाने के दरोगा कपिल कुमार ने एक युवक को थपपड़ मार दिया। यह घटना न केवल जनता के बीच आक्रोश पैदा कर रही है, बल्कि पुलिस विभाग के लिए भी चिंता का विषय बन गई है। वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि युवक कुछ कह रहा था और उसी दौरान दरोगा ने उसे थपपड़ मार दिया। सोशल मीडिया पर इस फुटेज ने हड़कंप मचा दिया है। लोग सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि क्या वही में अनुशासन की मर्यादा का पालन किया जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जनता की सेवा के बजाय पुलिसकर्मियों द्वारा दिखाया गया रौब स्वीकार्य नहीं है। वहीं, कई लोग सोशल मीडिया पोस्ट में लिख रहे हैं कि लगातार पुलिस आयुक्त के आदेशों को कुछ पुलिसकर्मी पलीता लगा रहे हैं, जिससे अनुशासन पर प्रश्नचिह्न उठता है। मलपुरा पुलिस की इस करतूत ने थाने की छवि पर दाग लगा दिया है। प्रशासन ने मामले पर गौर करते हुए कहा है कि दोषियों के खिलाफ पारदर्शी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उच्च अधिकारियों को नजर इस घटना पर है और जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। जनता और सोशल मीडिया में तेजी से उठ रही जांच की मांग, यह घटना वहीं में अनुशासन और सार्वजनिक सेवा के महत्व को दोबारा याद दिलाती है। प्रशासन और पुलिस विभाग अब इस मामले में पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई करने के दबाव में हैं।



संपूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार ने सुनी 58 शिकायतें, एक भी नहीं हो सकी निस्तारित

फतेहाबाद: तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, लेकिन किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। आयोजन के दौरान कुल 58 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें राजस्व से संबंधित 30, पुलिस विभाग की 4, राजस्व एवं पुलिस से जुड़ी 15, शिक्षा विभाग की 4 और अन्य विभागों की 5 शिकायतें शामिल रही। अधिकांश शिकायतें भूमि विवाद, पैमाइश, नामांतरण और पुलिस कार्यवाही से संबंधित थीं। संपूर्ण समाधान दिवस में एसीपी अमरदीप, एसीपी शमसाबाद अमीषा, तहसीलदार बबलेश कुमार, खंड विकास अधिकारी रजत कुशवाहा, तथा उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. यशवंत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



पूर्व चेयरमैन आशादेवी चक बनी खटीक महासभा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

फतेहाबाद फतेहाबाद में चेरमैन के आवास पर समाज की बैठक रखी गयी समाज की सर्वसहमति से आशादेवी चक को प्रदेश अध्यक्ष घोसित किया गया जिसमें खटीक महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय धर्मेंद्र खटीक जी,प्रदेश अध्यक्ष राजेश खटीक जी ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदरणीय अशोक चक जी ,प्रदेश महामंत्री भाई सौरभ सिंह चक जी युवा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी सिंह बघेला जी मनीष चक,राजकुमार चक,राजू वर्मा, अजीत राजपुत,नीतेश शास्त्री रामकिशन वर्मा, ब्रजभान चक सियाराम चक , जगदीश राजौरिया वालेश चक, खमान सिंह ,ओमबाबू चक ,प्रदीप चक, प्रियांशु चक , आयुस चक मोनू चक खटीक महासभा के फरुखाबाद जिले के जिला अध्यक्ष नीरज चक जी व आदरणीय चरण सिंह जी पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी भरथना तमाम खटीक महासभा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ स्वजातीय बंधुओं के सामने आदरणीय पूर्व अध्यक्ष आशा देवी चक जी को खटीक महासभा के महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया इस दायित्व को प्राप्त करके बाद आदरणीय चेयरमैन जी ने खटीक महासभा व समाज को धन्यवाद किया व खटीक महासभा के साथ समाज के लिए आगे बढ़-चढ़कर सहयोग करने के लिए समाज के बीच अपनी बात रखी।



दीप सज्जा और रंगोली प्रतियोगिता का किया आयोजन

फतेहाबाद। धनतेरस और दीपावली के अवसर पर रतन देवी कान्वेंट स्कूल के बच्चों द्वारा दीप सज्जा, रंगोली व डोर डेकोरेशन प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें बच्चों ने जमकर अपने हुनर दिखाए इन प्रतियोगिताओं में कुल 9 ग्रुप बनाये गए जिसमें वंशिका दुबे, आरग्या, रुद्र, पूजा,साहिल का ग्रुप प्रथम आया संगम, दीपक,भावना,हरीश, छोटू, आराध्या का ग्रुप द्वितीय स्थान पर आया तृतीय स्थान पर सुजैन, आईशा, राघव, शिवम व परी का ग्रुप आया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निशा गोहर,अक्केश गोहर, रितिक गुप्ता, श्ररित चौधरी, पूजा, गुंजन, सावित्री, सोनिया, प्रिया तोमर, प्रिया गुप्ता, बुधुशी आदि विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।



धनतेरस, दीपावली और भाईदूज को लेकर कमला नगर में पुलिस की पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का कड़ा निरीक्षण



गोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। त्योहारों के आगमन के साथ ही नगर में सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी कड़ी में आज दिनांक 18 अक्टूबर 2025 को पुलिस उपायुक्त नगर सोनम कुमार ने एसीपी छत्ता व थाना कमला नगर के पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने विशेष रूप से भीड़-भाड़ वाले बाजारों, प्रमुख चौराहों और व्यस्त इलाकों का जायजा लिया। उन्होंने दुकानदारों, ग्राहकों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त चौकसी बनाए रखने, सदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने और किसी भी असामान्य गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिस उपायुक्त सोनम कुमार ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट किया कि त्योहारों के समय सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक क्षेत्र में पैदल

गश्त बढ़ाने, सुरक्षा कैमरों और चौकियों की निगरानी सुदृढ़ करने तथा आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए।

थाना कमला नगर पुलिस ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सुरक्षा संबंधी संभावित खतरों की पहचान की गई और तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए गए। साथ ही, जनता को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील भी की गई। पुलिस उपायुक्त नगर आगरा सोनम कुमार ने आश्वस्त किया कि पूरे त्योहारों के दौरान पुलिस पूरी तरह से सतर्क रहेगी और नागरिकों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने का भरपौरा दिलाया। इससे नगरवासियों में पुलिस की सक्रियता और सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ा है। इस अभियान से यह संदेश गया कि पुलिस और नागरिक मिलकर ही त्योहारों को सुरक्षित और आनंदमय बना सकते हैं, और कमला नगर में इस दिशा में सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं।

मिशन शक्ति-5.0 अभियान : आगरा कमिश्नरेट की मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मिशन शक्ति-5.0 अभियान के तहत कमिश्नरेट आगरा की मिशन शक्ति टीमों ने महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा को लेकर आज 18 अक्टूबर 2025 को विशेष अभियान चलाया। टीमों ने ग्राम, मोहल्लों, स्कूलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं, बालिकाओं और छात्राओं से संवाद किया और उन्हें उनके अधिकारों, महिला सुरक्षा, डिजिटल और साइबर फ्रॉड से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जागरूक किया। इस अभियान में मिशन शक्ति टीमों ने सार्वजनिक चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को गुड-टच/बैड-टच, घरेलू हिंसा से सुरक्षा, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉसो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध और महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अपराधों के बारे में जानकारी दी। साथ ही, उन्हें



जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय और राज्य महिला आयोग जैसी संस्थाओं से जुड़ी हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में भी बताया गया।

थाना स्तर की मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं से भी अवगत कराया, जिनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना,



मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आवासन सुमन योजना और महिला शक्ति केंद्र योजना शामिल हैं। इसके अलावा, पुलिस विभाग की ओर से वीमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112,

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं के लिए 102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्पलाइन-181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी पंपलेट के माध्यम से वितरित की गई। कमिश्नरेट आगरा की मिशन शक्ति टीमों ने इस अभियान के माध्यम से महिलाओं और



बालिकाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया, बल्कि उनके सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति भी समाज में जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। इस पहल से यह स्पष्ट संदेश गया कि

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण कमिश्नरेट आगरा की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है, और मिशन शक्ति अभियान लगातार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम कर रहा है।

ताजगंज थाना परिसर में गूंजे यूपी पुलिस जिंदाबाद के नारे, 101 किलो फूलों की माला पहनाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। साजन 500 मीटर बाजार संगठन एवं उत्तर प्रदेश सफाई संघ ने शनिवार को ताजगंज थाना परिसर में पुलिसकर्मियों का भव्य स्वागत कर सम्मान की नई मिसाल पेश की। इस दौरान इंसपेक्टर, थाना प्रभारी सहित सभी पुलिसकर्मियों को फूलमालाओं से सम्मानित किया गया। ढोल-नगाड़ों की थाप और यूपी पुलिस जिंदाबाद के नारों से थाना परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में कई देसी-विदेशी पर्यटक भी शामिल हुए और पुलिस के सम्मान में तालियां बजाईं। बेटीयों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में 101 किलो की विशाल फूलमाला



पहनाकर ताजगंज थाना प्रभारी और उनकी टीम को सम्मानित किया गया। ये था मामला ताजगंज थाना पुलिस ने अपनी फुर्ती और

संवेदनशीलता का शानदार उदाहरण पेश करते हुए लापता हुई मासूम बच्ची को मात्र 24 घंटे के भीतर दिल्ली से सकुशल बरामद कर

लिया। इस सफलता के बाद बच्ची के परिवार की आंखों से खुशी के आंसू झर पड़े और पूरे क्षेत्र में पुलिस जिंदाबाद के नारे गूंज उठे। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच शुरू की। एक फुटेज में बच्ची को ले जाता हुआ युवक नजर आया। इसी सुराग के आधार पर पुलिस टीमों ने दिल्ली तक सच ऑपरेशन चलाया। 100 से अधिक पुलिसकर्मी मिशन में जुटे रहे। एडिशनल सीपी, डीसीपी सिटी और एसीपी ताज सुरक्षा के नेतृत्व में टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया और अंततः बच्ची को सुरक्षित बरामद किया। थाने में जब अधिकारियों ने परिजनों को बच्ची की सकुशल बरामदगी की जानकारी दी तो खुशी

का माहौल बन गया। भावुक परिजनों ने पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि पुलिस हमारे लिए फरिश्ता बनकर आई। स्थानीय पार्षद ने पुलिस टीम की इस शानदार सफलता पर 21,000 का इनाम देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ताजगंज पुलिस ने साबित कर दिया है कि जब सेवा और समर्पण का भाव एक साथ हो, तो कोई भी मिशन असंभव नहीं रहता। ताजगंज में आज पुलिस के सम्मान और मानवता की मिसाल दोनों एक साथ देखने को मिली एक और पुलिस सम्मान समारोह में 101 किलो की माला पहनाई गई, तो दूसरी ओर उसी थाना पुलिस ने 24 घंटे में मासूम को सुरक्षित घर

पहुंचाकर दिल जीत लिया। बाजार कमेटी के संस्थापक चेतन अरोड़ा, अध्यक्ष कृष्ण मुरारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष बृजमोहन अरोड़ा, रामकुमार प्रजापति, गोविंद वर्मा, अंजुम भाई, पवन शिवहर, प्रदीप राठौर सहित उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष सूरज पहलवान, राहुल वाल्मीकि और मुन्ना पहलवान मौजूद रहे। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि ताजगंज पुलिस ने बेटीयों की सुरक्षा, शांति व्यवस्था और जनता की सेवा में बेहतरीन कार्य किया है। कार्यक्रम के अंत में जनता और पुलिस का साथ, तभी होगा शहर सुरक्षित का नारा गूंजा और माहौल तालियों से भर उठा।

पुलिस की सख्त कार्रवाई, नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर थाना कमलानगर पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना 17 अक्टूबर 2025 की है, जब थाना कमलानगर क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को सूचना दी कि उसी दिन वाल्मिकी बस्ती शिवपुरी निवासी सन्नी पुत्र महेश उसकी दुकान पर आया और उसकी 17 वर्षीय पौत्री के साथ छेड़छाड़ी करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। शिकायत मिलते ही थाना कमलानगर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच शुरू की और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने लगातार सुराग जुटाए और मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 18 अक्टूबर को आरोपी सन्नी पुत्र महेश को उसके घर के पास गली से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी सुनीत शर्मा ने बताया कि आरोपी से पूछताछ



की जा रही है और उसे आवश्यक विधिक कार्रवाई के तहत न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं के प्रति अपराधों पर सख्त कार्रवाई जारी

है। कमलानगर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में यह संदेश गया है कि महिला और बालिका सुरक्षा के खिलाफ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



दिवाली में लिविंग रूम को सजाते समय आप भी रखें इन बातों का ध्यान

घर का लिविंग रूम सब के लिए खास होता है। यह एक ऐसा रूम है जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठ के क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। घर में आने वाले मेहमान भी लिविंग रूम में बैठते हैं। यही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए लिविंग रूम का बड़ा ही महत्व रहता है क्योंकि, ये वो जगह है, जहां घर की पार्टी का इंतजाम किया जाता है। अगर लिविंग रूम अट्रैक्टिव होता है, तो पार्टी की रौनक और भी बढ़ जाती है, अगर अस्त-व्यस्त हो, तो पार्टी का मजा किरकिरा हो जाता है। इस दिवाली अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लिविंग रूम को शानदार तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो आपको कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

वै से तो दिवाली के दिन सभी घरों में लाइट की व्यवस्था खूब रहती है लेकिन, जब दिवाली के दिन घर पर मेहमानों के साथ पार्टी रखी है, तो आपको अन्य दिनों के मुकाबले कुछ अधिक लाइट लगा लेनी चाहिए। अगर ठीक से लाइट नहीं हो तो पार्टी के साथ कमरे की सजावट खराब हो जाती है। हो सके तो पार्टी वाले दिन रंग-बिरंगी लाइट को लिविंग रूम में लगाने से बचे क्योंकि, खाना खाने के दौरान बहुत कम लोग ही इस तरह की लाइट्स को पसंद करते हैं।

गलत कालीन को करें साइड
दिवाली पार्टी वाले दिन आप लिविंग रूम में कालीन ना ही लगाएं तो बेहतर है। अगर आप सफेद कलर का कालीन लिविंग रूम में लगाने वाली है, तो ये गलती भूल के भी नहीं कीजिएगा, क्योंकि एक बार अगर कालीन पर दाग लग गए फिर उसके बाद उस दाग को निकालने में आपको ही मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए दिवाली पार्टी के दिन कालीन बिछाने के लिए रंग का चयन करते समय ये जरूर याद रखें।

टेबल, कुर्सी का रखें ध्यान
वैसे तो लिविंग रूम एक तरह से टेबल, कुर्सी या सोफा सेट के लिए जाना जाता है लेकिन, दिवाली पार्टी वाले दिन लिविंग रूम में अधिक कुर्सी और सोफा सेट रखने से बचे, क्योंकि इससे लिविंग रूम की जगह भी कम हो जाती है, और लिविंग रूम एकदम से भरा-भरा दिखने लगता है, जिसके चलते कई बार आने-जाने के लिए जगह की कमी हो जाती है। पार्टी के लिए आप एक बड़ा सा टेबल का इस्तेमाल कीजिए जिस पर एक साथ सभी बैठकर खाना खा सकें।

सेटिंग चेंज करें
लिविंग रूम को अट्रैक्टिव दिखाने के लिए इसकी सेटिंग चेंज करते रहें। अगर आपने पिछले कई महीनों से लिविंग रूम की सेटिंग चेंज नहीं की है, तो इस बार उसे भी कर लीजिए। कई बार सेटिंग चेंज करने से भी लिविंग रूम को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। आप सोफा, टीवी और टेबल आदि की पोजीशन को चेंज कर दीजिये और ये भी ध्यान रखें कि कई चीजों को एक साथ ना रखें। लिविंग रूम को खुला खुला रखने की कोशिश करें ताकि बीच में आने-जाने की जगह बनी रहे।

दिवाली का त्योहार आते ही लोग तरह-तरह से अपने घर की सजावट शुरू कर देते हैं। वैसे हिंदू धर्म में हर त्योहार पर रंगोली बनाने को बहुत ही शुभ माना गया है।

मेन डोर के लिए रंगोली डिजाइंस

वैसे तो घर के आंगन, रसोई के बाहर, पूजा स्थल पर और घर के मेन गेट आदि स्थानों पर रंगोली बनाई जा सकती है, मगर घर के मुख्य द्वार पर बनाई जाने वाली रंगोली हमेशा बहुत ही अर्थपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए, क्योंकि रंगोली का धार्मिक महत्व भी होता है। घर के मुख्य द्वार पर बरनने वाली रंगोली की कुछ आसान और खूबसूरत डिजाइंस

लक्ष्मी जी के चरण वाली रंगोली

लक्ष्मी जी के चरण को बहुत ही शुभ माना जाता है। अमूमन लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के चरणों के स्टीकर लगाते हैं। मगर वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुभ माना जाता है और आमतौर पर बाजार में आपको प्लास्टिक के ही स्टीकर मिलेंगे। ऐसे में आप मुख्य द्वार पर लक्ष्मी जी के चरणों की रंगोली बना सकती हैं। यह रंगोली आप रंगोली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों से भी बना सकती हैं और ताजे फूलों से भी आप इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। अगर आप बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहती हैं, तो बहुत बड़ी रंगोली बनाने की जगह बॉर्डर डिजाइन ही बनाएं। यह कम समय और मेहनत में बन जाएगी।

कॉर्नर पर बनाएं रंगोली

आजकल ज्यादातर लोग प्लेट्स में रहते हैं। ऐसे में मेन डोर पर रंगोली बनाने से आने-जाने वालों को दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं, आपके द्वारा मेहनत से बनाई गई रंगोली खराब भी हो सकती है। ऐसे में आप मेन डोर के कॉर्नर पर रंगोली बना सकती हैं। इस तरह की रंगोली के लिए आप मंडला आर्ट का चुनाव कर सकती हैं। मगर इसके लिए आपका आर्ट में माहिर होना बहुत जरूरी है। वैसे आपको बाजार में रेडीमेड नेट मिल

जाएगा, जिसमें पहले से ही डिजाइन बनी होती है और आपको उसमें रंगोली के रंग भरने होते हैं। अगर आप खुद से ही मंडला आर्ट करके रंगोली बनाना चाहती हैं, तो आपको आर्ट की मदद से पहले आउटलाइन तैयार कर लेनी चाहिए और फिर रंगोली में रंग भरने चाहिए। कमल देवी लक्ष्मी को अति प्रिय है। जगत पिता श्री हरि नारायण को भी कमल का फूल अति प्रिय है। वैसे तो घर के प्रवेश द्वार पर एक जल भरे पात्र में आपको खिला हुआ कमल का फूल रखना ही चाहिए। मगर यदि ऐसा संभव न हो तो आप प्रवेश द्वार पर कमल के फूल की डिजाइन वाली रंगोली भी बना सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि द्वार पर कमल का फूल देख कर देवी लक्ष्मी उस स्थान पर वास करने जरूर आती हैं।

फूल की रंगोली
घर के मुख्य द्वार पर आप फूलों की रंगोली भी बना सकती हैं। इसके लिए आप 2 से 3 तरह के फूल ले सकते हैं। फूलों की रंगोली से घर भी सुगंधित होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। फूलों की रंगोली बनाने के लिए आपको पहले ही आर्ट की मदद से आउटलाइन बना लेनी होगी। फिर आप फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली को भर सकती हैं।

दीयों की रंगोली
दिवाली का त्योहार दीपों का त्योहार होता है। इसलिए आप दीयों से भी अपनी रंगोली को सजा सकती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से अगर आप चौमुखी दीपक को घर के प्रवेश द्वार पर जलाते हैं, तो चारों दिशाओं से सुख और समृद्धि आती है। ऐसे में आप दीपक की गोलाई में रंगोली बना सकती हैं। आप ऊपर दी गई तस्वीर में दिखाई गई डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।



दिवाली पर घर के हर कोने को लाइट्स से यूं सजाएं

दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। आज हम आपको बताएंगे कि घर के किस कोने में लाइट्स लगा सकते हैं और कौन सी लाइट घर के किस कॉर्नर के लिए अच्छी रहेगी।

दी वाली का त्योहार आते ही लोग अपने घर को सजाना-संवारना शुरू कर देते हैं। ज्यादातर लोग इस त्योहार पर लाइट्स से अपने घर को सजाते हैं। जाहिर है, दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही

लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। बहुत से लोग घर में जहां भी जगह पाते हैं, वहां लाइट्स लगा देते हैं, वहीं कुछ लोगों को तो यह भी नहीं पता होता है कि कौन सी लाइट को कहां और कैसे लगाना चाहिए।

एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया
अगर आप बाजार से डिजाइनर एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया खरीद कर लाएं हैं, तो उसकी प्लेसमेंट सही जगह करें। जहां एलईडी दीये से आप घर के किसी भी कॉर्नर, टेबल, बालकनी आदि को सजा सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक दीये आपको मंदिर में रखने चाहिए। हालांकि, वास्तु के हिसाब से इसे सही नहीं माना जाता है, इसलिए इन दीयों के साथ-साथ असल के दीयों से भी मंदिर को सजाएं।

फॉलिंग एलईडी लाइट्स
अगर आपके घर में गार्डन है और गार्डन में पेड़ पौधे लगे हुए हैं, तो आप फॉलिंग एलईडी लाइट्स को पेड़ में लगा सकते हैं। इससे आपका गार्डन जगमगा जाएगा। अगर इस तरह की लाइट्स को बालकनी में भी सजावट के लिए लगा सकती हैं।

राइस लाइट
घर पर मौजूद सेंटर टेबल को भी आप लाइट-अप कर सकती हैं। इसके लिए आप असली के दीयों के साथ-साथ किसी शीशे की बॉटल के अंदर राइस लाइट भी भर कर रख सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि राइस लाइट को ऐसे स्थान पर रखें जहां कम रोशनी हो। अधिक रोशनी में इसे रखने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हैंगिंग लाइट्स
हैंगिंग लाइट्स का इस्तेमाल आप किसी भी स्थान पर कर सकती हैं। मगर इस बात का ध्यान रखें कि जब आप हैंगिंग लाइट लगा रही हों तो उसे दीवार से सटा कर न लगाएं। हां, अगर वॉल हैंगिंग लाइट है तो आप ऐसा कर सकती हैं। मगर सीलिंग हैंगिंग लाइट्स की खूबसूरती को निहारने के लिए सही तरह से उसे फिक्स करें।

एलईडी स्ट्रिप लाइट्स
अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजों या फिर फर्नीचर को डेकोरेट करना है तो एलईडी स्ट्रिप लाइट्स का प्रयोग करें। इतना ही नहीं, घर के मंदिर को डेकोरेट करने के लिए भी आप इन लाइट्स का प्रयोग कर सकती हैं। इन लाइट्स को लगाते वक़्त इस बात का ध्यान रखें कि उस स्थान पर फिर और अधिक लाइट्स न लगाएं और इन्हें रनिंग मोड पर रखें, नहीं तो यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती है।



कम समय में बनानी है खूबसूरत रंगोली तो ये 5 हैक्स करेंगे मदद

दिवाली पर अगर आप भी चाहती हैं कि घर पर खूबसूरत रंगोली बने और समय कम लगे तो किचन के कुछ सामान की मदद से आप परफेक्ट रंगोली बना सकती हैं।

दी वाली करीब आ गई है और अब घरों में रंगोली बनाना शुरू हो गई होगी। कई लोग नवरात्र से शुरू करके दिवाली के बाद तक घरों के आंगन को रंगोली से सजाते हैं। यकीनन घर के बाहर अगर खूबसूरत डिजाइन की रंगोली बनी हो तो देखकर बहुत अच्छा लगता है। पर कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें रंगोली की डिजाइन्स समझ नहीं आती और उन्हें इसे बनाने में बहुत समय लग जाता है। ऐसे में वयों न हम कुछ ऐसे हैक्स का इस्तेमाल करें जिससे जल्दी से जल्दी रंगोली बन जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताते जा रहे हैं जो घर के सामान की मदद से ही अच्छी रंगोली बनाने में आपको मदद कर सकते हैं। चम्मच, इयरबड, कंघी की मदद से आप खूबसूरत रंगोली डिजाइन्स बना सकते हैं। ये सभी बहुत आसानी से बनने वाले हैं और आपको इसमें समय बहुत कम लगेगा। तो चलिए जानते हैं कौन से हैं वो हैक्स

छलनी की मदद लें
आजकल ऐसी रंगोली का चलन बहुत ज्यादा है जहां अलग-अलग रंगों से बेस बनाया जाता है और उसके बाद सेंटर में सफेद या ऐसे ही लाइट रंगों से अलग-अलग तरह के डिजाइन्स बनाए जाते हैं। आप आप आटा छानने वाली छलनी में

कलर डालकर एक गोलाकार सेंटर बना सकते हैं। इसके बाद चाय वाली छलनी में रंगों को भरकर उसी गोले के आस-पास कई रंगों के सर्कल बना सकते हैं। डिजाइन आप जो चाहें चुन लें छलनी की मदद से उसे बहुत आसानी से बना सकते हैं। इस तरह की रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपने सही कलर कॉम्बिनेशन नहीं रखा तो ये भी हो सकता है कि रंगोली बने तो परफेक्ट लेकिन खराब रंगों की जगह से खिली हुई सी न दिखे।

इयरबड की मदद से बनाएं खूबसूरत रंगोली

दिवाली की खूबसूरत रंगोली बनाने के लिए आप इयरबड्स की मदद भी ले सकते हैं। इनसे बहुत अच्छे डिजाइन्स बनाए जा सकते हैं। आपको करना बस ये है कि जिस तरह का डिजाइन भी आपने दिमाग में रखा है उसके हिसाब से रंग चुनने हैं। तस्वीर में जो रंगोली दिखाई गई है उसमें बेस क्लार्ट रंग डालने के बाद अलग-अलग रंगों से बड़े डॉट्स फ्लोर पर बनाए गए थे। इसके बाद इयरबड की मदद से इन्हें पतियों वाला डिजाइन दिया गया है। आप भी इयरबड की मदद से खूबसूरत रंगोली की डिजाइन बना सकते हैं। बस ध्यान ये देना है कि जो डॉट्स आप बनाएं वो एक ही साइज के हों। इसके लिए आप किसी पतले नोजल वाली बॉटल या रंगोली वाले कोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चम्मच की मदद से बनाएं

जिस तरह हम इयरबड्स का इस्तेमाल कर रंगोली बना सकते हैं उसी तरह चम्मच का इस्तेमाल कर रंगोली भी बनाई जा सकती

है। इसके लिए आपको उसी तरह के डॉट्स फ्लोर पर बनाने होंगे जैसे हमने इयरबड्स के समय बनाए थे और साथ ही चम्मच की मदद से उसे शेप देना होगा। आप परफेक्ट राउंड शेप के लिए किसी स्टील की प्लेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं और उसके इर्द-गिर्द उस तरह के डॉट्स बना सकते हैं जैसे तस्वीर में दिखाए गए हैं। ये ट्रिक फूलों वाली रंगोली बनाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

चॉक की मदद से बनाएं रंगोली

आप रंगोली बनाने से पहले चॉक की मदद से उसकी डिजाइन पहले फ्लोर पर बना लें। ऐसा करने से आपको समय कम लगेगा और रंगोली के बिगड़ने की गुंजाइश भी कम हो जाएगी। आप चाहें तो गेहूं वाली छलनी (बड़े छेद वाली छलनी) की मदद से डॉट्स फ्लोर पर बनाकर डॉट्स वाली रंगोली भी बना सकती हैं। इन छोटे साइज के डॉट्स को कनेक्ट कर आप कई अच्छी डिजाइन्स तैयार कर सकती हैं।

फोर्क या कंघी का करें इस्तेमाल

अगर आपको किसी डिजाइन में बारीक लाइन्स चाहिए तो आप फोर्क या कंघी या फिर टूथपिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले बेस रंग फ्लोर पर डालें और उसके बाद टूथपिक, फोर्क या कंघी की मदद से उसपर मनचाहा डिजाइन बनाएं। इस तरह की रंगोली टाइल्स पर ज्यादा अच्छी तरह से बनती है।



ज्यादा दिनों तक चलने के साथ वेट कंट्रोल करेगी गुलाब नारियल बर्फी

गुलाब नारियल बर्फी एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कई दिनों तक रख सकते हैं। साथ ही नारियल होने की वजह से इसमें ज्यादा चीनी का इस्तेमाल भी नहीं करना पड़ता। इस वजह से इसे खाने से वेट भी नहीं बढ़ता। वहीं अगर आप चीनी खाना पूरी तरह छोड़ चुके हैं, तो आप चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करके भी गुलाब नारियल बर्फी बना सकते हैं। फेरिटव सीजन खासकर दिवाली के लिए आप यह मिठाई बना सकते हैं।

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की सामग्री

- 1 कप मावा
- 2 कप नारियल पाउडर
- 3/4 कप चीनी बूरा
- 2-4 बूंद रोज एसेंस
- 1 टीस्पून इलायची पाउडर
- 1/4 टीस्पून रेड फूड कलर
- 2 टेबलस्पून पिस्ता कटे हुए
- 2 टेबलस्पून नारियल पाउडर

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में नारियल पाउडर, गुलाब एसेंस, इलायची पाउडर और चीनी बूरा डालकर मिक्स कर 20 मिनट के लिए ढक्कर रख दें। तब समय के बाद मिडियम आंच पर पैन रख दें। इसमें मावा, नारियल पाउडर वाला मिश्रण और चीनी डालकर इसके घुलने तक पकाएं। जब मिश्रण पैन छोड़ने लगे तब गैस बंद कर इसे प्लेट पर निकाल लें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग में रेड फूड कलर मिलाएं। अब ट्रे पर धी लाकर चिकना कर लें। पहले सादा मिश्रण डालें फिर ऊपर से कलर वाला मिश्रण डालकर सेट करें। इस पर नारियल पाउडर छिड़ककर कटे हुए पिस्ता डाल दें। ट्रे को फ्रिज में 1 घंटे तक सेट होने के लिए रख दें। तब समय के बाद फ्रिज से ट्रे निकाल लें। तैयार है गुलाब नारियल बर्फी। मनचाहे पीस में काटकर सर्व करें।

इस बार त्योहार पर बनाएं खाजा मिठाई

अगर आप त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की यह फैमस रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

भारत अपनी परंपराओं और स्वादिव्यंजनों के लिए जाना जाता है। हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और खान-पान है। यहां हर उत्सव को खास तरीके से मनाया जाता है, कई पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं। अब दीपावली का त्योहार भी आने वाला है। त्योहार के मौके पर सभी के घरों में मिठाइयां बनने लगती हैं। ज्यादातर घरों में महिलाएं लंड्रू बनाना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप इस बार त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की फैमस मिठाई खाजा की यह रेसिपी ट्राई कर सकती हैं। आपको बता दें कि यह आंध्र प्रदेश की एक पारंपरिक डिश है, जिसे मेदा और शुगर सिरप में डीप करके तैयार किया जाता है। इसे लोग खास त्योहार के मौके पर बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसे कई नामों से पुकारा जाता है जैसे आंध्र चिरोटी, खाजा आदि। साथ ही, यह डिजर्ट बिहार में भी काफी लोकप्रिय है और बहुत से लोग इसे बिहारी खाजा के नाम से भी जानते हैं। आप इसे बहुत ही आसानी से बना सकती हैं, कैसे? आइए जानते हैं।

बनाने की विधि

खाजा मिठाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मेदा

छान लें और फिर इसमें सभी सामग्रियों जैसे बेकिंग पाउडर, घी आदि डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब आप आटे में पानी डालें और उसे अच्छी तरह से गूँथ लें। फिर 20 मिनट के लिए अलग रख दें। जब आटा अच्छी तरह से सेट हो जाए, तो आटे को रोल करें और आटे की बराबर मात्रा में लोइयां बना लें। अब सारी लोइयां को रोटी की तरह पतला-पतला बेल लें और साइड में बेल कर रख लें। अब आपको खाजा बनाना है, इसके लिए आप एक प्लेट में रोटी रखें और उसके ऊपर मेदा, घी लगा लें। ताकि आटे (रोटी) की लेयर आपस में चिपके नहीं। फिर उसके ऊपर दूसरी रोटी रखें और इसी तरह आप सारी बेली हुई रोटियों की परत बना लें। अब इन रोटियों को फोल्ड करके एक रोल बना लें। फिर रोल को साइड से पतला-पतला (ज्यादा नहीं) खाजा के शेप में काट लें। अब धीमी आंच पर कढ़ाही में तेल गर्म कर लें। जब तेल गर्म हो जाए, तो खाजा को डीप फ्राई कर लें। अब आपको चाशनी बनानी है, इसके लिए आप एक बर्तन में चीनी और पानी डालें और चाशनी तैयार कर लें। अब तले हुए खाजा को एक एक करके चाशनी में डाल दें और कुछ देर इसे ही छोड़ दें। फिर कुछ देर बाद चाशनी से खाजा निकल लें और अपने मेहमानों को सर्व करें।





छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी। अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, 'ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं। फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में टिवस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है। कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई थी। फिर भी ईशान के लिए होमबाउंड बहुत खास है, इस फिल्म से उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली है।



9 टू 5 जॉब से एक्टिंग की तुलना वाले बयान पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

काजोल ने अपने टॉक शो 'टू मच' में पिछले दिनों कहा था कि एक्टर्स 9 से 5 की नौकरी करने वालों से ज्यादा मेहनत करते हैं। यह बात सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई, काजोल को इस बात के लिए ट्रोल् किया गया। काजोल ने फिर इस बात को लेकर बयान दिया है, साथ ही अपनी पुरानी बातों को सही साबित करने के लिए कुछ बातों का जिक्र किया है। हम पर बहुत दबाव होता है। हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में काजोल कहती हैं, 'एक्टिंग बहुत पवित्र रहने वाला काम है। जब हम शूटिंग पर होते हैं तो पूरा ध्यान उसी काम पर होता है। मैंने 35 से 40 दिनों तक सीरीज 'द ट्रायल 2' के लिए लगातार शूटिंग की। इस दौरान एक्सरसाइज पर, डाइट पर ध्यान दिया। हमारे लुक में जरा सा चेंज भी पूरे प्रोसेस को खराब कर सकता है। इस वजह से हम पर बहुत दबाव होता है।' टी ब्रेक तक नहीं पाते एक्टर काजोल आगे कहती हैं, 'जब आप 9 से 5 की नौकरी करते हैं, तो टी ब्रेक ले सकते हैं, थोड़ा आराम कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं। हम कैसे बैठते हैं? कैसे मुस्कुराते हैं? इन बातों पर भी नजर रखी जाती है। हम एक केतली की तरह हैं, जो हमेशा उबलती रहती है। हमें हमेशा अलर्ट रहना होता है, हम अवसर टेंशन में रहते हैं और हम ऐसे ही जीते हैं।' इस फिल्म में नजर आएंगी काजोल काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। इस

साल वह 'मां' और 'सरजमी' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखीं। साथ ही इन दिनों टिवंकल खन्ना के साथ टॉक शो 'टू मच' कर रही हैं। इस शो पर बॉलीवुड सेलेब्स आते हैं और मजेदार किस्से साझा करते हैं।



गोलू गुप्ता की वापसी श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू गुप्ता का रोल प्ले किया था। यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। अब इसी किरदार को वह मिर्जापुर फिल्म में दोहराती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। श्वेता त्रिपाठी ने एक इंटरव्यू में बताया कि गजगामिनी गुप्ता उनका पसंदीदा किरदार है और वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने से बहुत खुश हैं। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, मैं इस समय बहुत खुश हूँ क्योंकि मैं अपने दूसरे घर, बनारस में अपने सबसे पसंदीदा और दिल के सबसे करीब प्रोजेक्ट्स में से एक मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूँ। मैं अपने गजगामिनी गुप्ता के किरदार को बहुत प्यार करती हूँ और इसे फिर से प्ले करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। श्वेता ने कहा, इसकी शूटिंग रात में हो रही है। इसके लिए बहुत खूबसूरत सेटअप किया गया है। हम पूरी रात बढिया कुल्हड़ में चाय भी पिएंगे। मिर्जापुर के कलाकार भी

बहुत खास हैं और आज सभी लोग वहां मौजूद हैं, इसलिए बातचीत तो होगी ही। गंगा आरती भी बहुत अच्छी रही, तो मेरे लिए दीपावली शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक पहलवान के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंद्र शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी। इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।



पेन किलर्स के सहारे पूरा किया था कांतारा चैप्टर 1 का क्लाइमैक्स सीन

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर कमाई कर रही है। फिल्म जल्द 500 करोड़ बलब में शामिल होने वाली है। फिल्म को थिएटर में रिलीज हुए अभी सिर्फ 11 दिन हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त ऋषभ शेट्टी को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। हाल ही में ऋषभ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें कुछ तस्वीरें भी थीं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया था। ऋषभ शेट्टी अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'क्लाइमैक्स की शूटिंग का वक्त, सुजा हुआ पैर, आराम से बैठा शरीर। आज करोड़ों लोगों ने इसे देखा और पसंद किया है। यह सिर्फ उन शक्तियों के आशीर्वाद से ही संभव है जिन पर हम विश्वास करते हैं। आप सभी का शुक्रिया जिन्होंने फिल्म देखी।' पोस्ट में ऋषभ ने अपने सुजे हुए पैरों की तस्वीर भी साझा की है। पैरों की हालत देखकर समझा जा सकता है कि ऋषभ के लिए यह सीन शूट करना कितना मुश्किल रहा होगा। पिछले दिनों दिल्ली में 'कांतारा चैप्टर 1' की सवसेस पार्टी में भी ऋषभ शेट्टी बताया था कि पेन किलर लेकर क्लाइमैक्स सीन पूरा किया था। वह कहते हैं, 'हमने रात और दिन, दोनों ही समय में फिल्म शूट की। 10-15 दिन तो मैंने मुश्किल से शूटिंग की, पेन किलर्स लेकर काम किया। मैं थोड़ा आराम करता, फिर सीन शूट करता था। ऋषभ ने अपनी टीम को पूरा क्रेडिट दिया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निर्देशक को सपोर्ट किया है। 'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन 'कांतारा चैप्टर 1' के कलेक्शन की बात करें तो अब तक भारत में यह फिल्म 478.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। जल्द ही यह फिल्म 500 करोड़ बलब में शामिल हो जाएगी। फिल्म वर्ल्डवाइड भी अच्छा कमा रही है, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब तक 623 करोड़ रुपये हो चुका है।

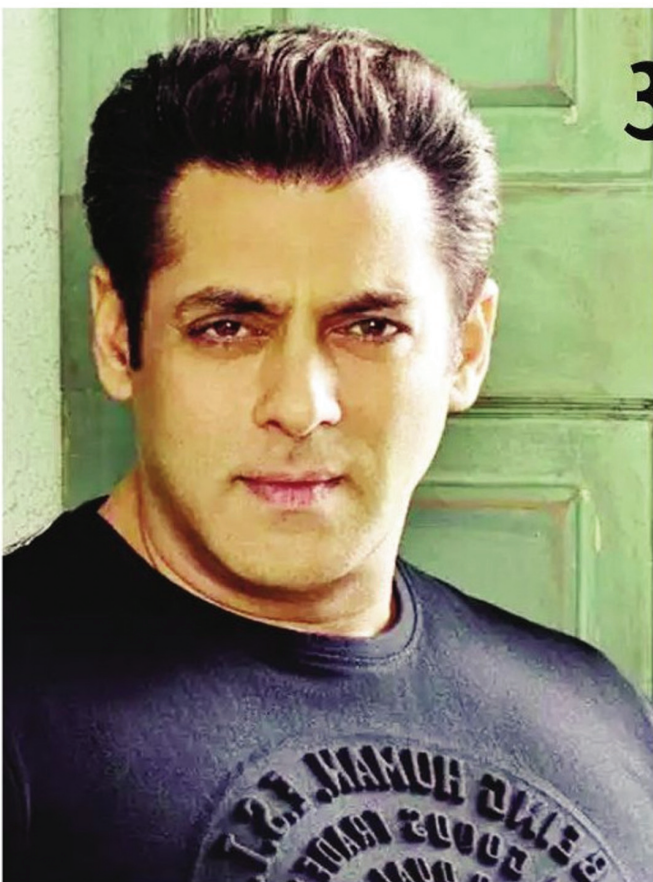


मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना रनौत ने यह बात दिल्ली के एक इवेंट में कही। एक्ट्रेस ने कहा कि छोटे से गांव से किसी ने भी उनकी जैसी सफलता हासिल नहीं की है। इसके बाद उन्होंने अपनी जड़ी और बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की।

खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती
कंगना ने फिर कहा, हो सकता है कि अन्य लोग इससे असहमत हों, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बैकड ईमानदार हूँ, न केवल लोगों के साथ, बल्कि खुद के साथ भी। मैंने बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए बहुत मेहनत की है। मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बढ़ाई। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीतीं।



अरिजीत के साथ झगड़े पर सलमान ने तोड़ी चुप्पी



सलमान खान ने हाल ही में गायक अरिजीत सिंह के साथ अपने कथित झगड़े पर खुल कर बात की है। सुपरस्टार ने इसे गलतफहमी बताया है। बिग बॉस 19 के वीकेंड का वॉर एपिसोड में सलमान ने खुलासा किया कि दोनों के बीच कभी कोई असली दुश्मनी नहीं थी। वे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गलतफहमी अरिजीत की तरफ से नहीं, बल्कि उनकी तरफ से हुई थी।

अवॉर्ड लेने मंच पर गए अरिजीत लगभग एक दशक से चली आ रही यह कहानी 2014 के स्टार गिल्ड अवॉर्ड्स की है। उस वक्त अरिजीत सिंह अपने बेहतरीन गाने तुम ही हो से मशहूर हुए थे। वह एक अवॉर्ड लेने के लिए मंच पर गए। लगातार दो शो के बाद थके हुए और साधारण से कपड़े पहने अरिजीत ने सलमान खान समेत मेजबानों का अभिवादन किया।

सलमान को अच्छी नहीं लगी टिप्पणी
अरिजीत सिंह जब मंच पर आए तो सलमान ने उन्हें विदाते हुए कहा क्या आप सो रहे थे। इस पर अरिजीत मुस्कुराए और जवाब दिया आप लोगों ने सुला दिया यार। इस पर दर्शक हंसने लगे। बताया जाता है कि कथित तौर पर सलमान खान को यह टिप्पणी अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे अपने अपमान के तौर पर लिया।

फिल्मों से गाने हटवाने की अफवाहें
इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया कि अरिजीत ने बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक को नाराज कर दिया है। अगले कुछ वर्षों में, अफवाहें फैलीं कि सलमान ने अपनी कई फिल्मों से अरिजीत के गानों को हटा दिया, जिनमें किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। इनमें सबसे मशहूर गाना फिल्म सुल्तान का जंग घुमेया था, जिसे बाद में अरिजीत की जगह राहत फतेह अली खान ने गाया।

सलमान खान ने दी सफाई
बिग बॉस 19 में आखिरकार सलमान ने इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतफहमी उनकी अपनी थी, अरिजीत की नहीं। सलमान खान ने कहा अरिजीत और मैं बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह गलतफहमी थी और वह गलतफहमी मेरी तरफ से हुई थी। उसके बाद उसने मेरे लिए गाने भी

गाए। टाइगर 3 में गाने गाए। आगे गलवा (बैटल ऑफ गलवा) में भी गाने गा रहे हैं। बैटल ऑफ गलवा सलमान खान की अपकमिंग फिल्म है।

